www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper bharatsamvad.live

मौसम
अधिकतम तापमान 28.c
27.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 102.705g
चांदी 113,000kg

2 शिक्षकों की शिक्षा पर भी देना होगा ध्यान, गुणवत्ता और नवाचार के लिए समर्पित अध्यापक सबसे महत्वपूर्ण आधार

बाढ़ के बढ़ते खतरे के कारण मिर्जापुर-दाईघाट मार्ग बंद 04

वर्ष :09 | अंक :52 | मुंबई ,मंगलवार , 12 अगस्त 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

पुराने विवाद को लेकर व्यक्ति पर गोली चलाने के आरोप में युवक गिरफ्तार

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के नेहरू विहार इलाके में पुराने विवाद को लेकर एक व्यक्ति पर गोली चलाने के आरोप में 22 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी की यह घटना चार फरवरी को रात करीब आठ बजे हुई। उसने बताया कि पीड़ित नसीम (36) ने पुलिस से शिकायत की कि जब वह स्कूटर से नेहरू विहार इलाके से गुजर रहा था, तभी मोटरसाइकिल सवार तीन लोगों ने उसका पीछा किया और उनमें से एक ने उस पर गोली चला दी। नसीम के मुताबिक, गोलीबारी के बाद तीनों हमलावर मौके से फरार हो गए। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दयालपुर थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि नसीम पर गोली चलाने वाले युवक की पहचान हारुन सैफी के रूप में हुई है, लेकिन वह बार-बार छापेमारी के बावजूद गिरफ्तारी से बचता रहा, जिसके बाद अदालत ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया। अधिकारी के अनुसार, बाद में पुलिस ने हारुन सैफी का पता लगा लिया और उसे गिरफ्तार कर लिया।

केरल के लापता नाविक से जुड़े मामले की जांच सीबीआई ने संभाली

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने आठ साल पहले एक जहाज से रहस्यमयी तरीके से लापता हुए नाविक अभिनंद येसुदासन से जुड़े मामले की जांच अपने हाथ में ली है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि अभिनंद जहाज पर पाइप फिटर के रूप में काम करते थे। सीबीआई ने केरल उच्च न्यायालय के आदेश पर जांच की जिम्मेदारी संभाली है। अदालत ने अभिनंद के पिता येसुदासन की याचिका पर सुनवाई के दौरान मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का निर्देश दिया था। केरल के कोल्लम निवासी अभिनंद (21) संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के शारजाह में एरीज मरीन्स एलएलसी नामक कंपनी में काम करते थे। वह 21 मार्च 2017 को मिस्र से सऊदी अरब के जेद्दाह जा रहे एक जहाज पर अपनी तैनाती के दौरान लापता हो गए थे। अभिनंद के पिता ने राज्य पुलिस को दी गई शिकायत में कहा था कि उनके बेटे ने मिस्र और तुर्किये से कई बार फोन पर परिवार से संपर्क किया था और इस दौरान वह बहुत खुश लग रहा था। पिता ने आरोप लगाया था कि 17 मार्च 2017 को अभिनंद ने परिवार के सदस्यों को बताया था कि अन्य सहकर्मी कार्य अनुभव की कमी के कारण उन्हें परेशान कर रहे थे।

एकजुट हुआ विपक्ष... संसद से चुनाव आयोग दफ्तर तक मार्च

राहुल-प्रियंका,अखिलेश को हिरासत में लिया, 2 घंटे बाद छोड़ा; प्रदर्शन के दौरान 2 महिला सांसद बेहोश हुईं

आरोप

दोनों सदनों के विपक्षी दल संसद भवन स्थित मकर द्वार से दिल्ली के निर्वाचन सदन स्थित चुनाव आयोग कार्यालय तक मार्च निकालेंगे। सुबह 11:30 बजे शुरू होने वाला यह मार्च ट्रांसपोर्ट भवन से होकर गुजरेगा।

एजेंसी

नई दिल्ली , वोटर वेरिफिकेशन और चुनाव में वोट चोरी के आरोप पर विपक्ष के 300 सांसदों ने सोमवार को संसद से चुनाव आयोग के ऑफिस तक मार्च निकाला। इस दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव समेत कई विपक्षी सांसदों को हिरासत में लिया गया। पुलिस उन्हें संसद मार्ग पुलिस स्टेशन ले गई, जहां से 2 घंटे बाद रिहा कर दिया गया। हिरासत में लिए जाने के बाद राहुल गांधी ने कहा कि यह संविधान बचाने की लड़ाई है। ये एक व्यक्ति-एक वोट की लड़ाई है, इसलिए हमें साफ वोटर लिस्ट चाहिए। वहीं प्रियंका गांधी ने कहा कि यह सरकार डरी हुई है और कायर है। मार्च के दौरान अखिलेश ने बैरिकेडिंग फांदकर आगे बढ़ने की कोशिश की। जब सांसदों को आगे नहीं जाने दिया गया तो वे जमीन पर बैठ गए। प्रियंका, डिंपल समेत कई सांसद 'वोट चोर गद्दी छोड़' के नारे लगाते दिखे। प्रदर्शन के दौरान टीएमसी सांसद मिताली बाग और महुआ मोइत्रा की तबीयत बिगड़ गई। बेहोश हो गईं। राहुल गांधी और अन्य सांसदों ने उनकी मदद की। इससे पहले दोनों सदनों में इस मुद्दे पर भारी हंगामा हुआ। कांग्रेस जयराम रमेशः चुनाव आयोग चुनाव आयोग है, ये चुराओ आयोग नहीं हो सकता। कांग्रेस सांसद अमर सिंहः चुनाव आयोग की समस्या ये है कि वो किसी भी सवाल का जवाब नहीं देता; बल्कि बीजेपी हर सवाल का जवाब देती है। उन्होंने खुद साबित कर दिया कि चुनाव आयोग और सरकार एक ही हैं। कांग्रेस केसी वेणुगोपालः देश में कैसा लोकतंत्र है। सांसदों को चुनाव आयोग जाने की आजादी नहीं है। भाजपा सांसद सौमित्र खानः कांग्रेस नहीं चाहती कि भारत में कोई भी भारतीय वोट करे। वो भारत को एक धर्मशाला बनाना चाहते हैं ताकि कोई भी बांग्लादेशी या पाकिस्तानी यहां आए तो बस बन जाए। वो तो उन लोगों के भी वोट चाहते हैं जो मर चुके हैं। ये कैसे मुमकिन है? जो मर चुका है वो वोट नहीं दे सकता। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहाः कांग्रेस पार्टी और विपक्ष ने बहुत समय बर्बाद किया है। अब हम देश और संसद का समय और बर्बाद नहीं होने देंगे।

राहुल बोले- चुनाव आयोग का डेटा फटेगा, खड़गे ने कहा- ये वोटों के अधिकार की लड़ाई

राहुल गांधीः 'ये चुनाव आयोग का डेटा है, मेरा डेटा थोड़ी है जो मैं साइन करूं। हमने आपको (आयोग) ही दिया है, आप अपनी वेबसाइट पर डाल दीजिए, सबको पता लग जाएगा। ये सिर्फ बेंगलुरु में नहीं, देश के अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों में हुआ है। चुनाव आयोग जानता है कि उसका डेटा फटेगा, इसलिए उसे कंट्रोल करने और छिपाने की कोशिश हो रही है।'

बैरिकेड कूदकर निकले अखिलेश यादव, सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

सोमवार को विपक्षी दल के सांसदों ने चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन किया और बिहार चुनाव आयोग के विरोध में संसद भवन स्थित मकर द्वार से निर्वाचन सदन स्थित चुनाव आयोग कार्यालय तक मार्च निकाला। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने परिवहन भवन में बैरिकेड्स लगाकर मार्च को रोक दिया। इस बीच, अखिलेश यादव समेत कई नेताओं की तस्वीरें सामने आईं, जिनमें वे कई बैरिकेड्स कूदते हुए दिखाई दिए। फिलहाल उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इंडिया ब्लॉक के सांसद चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान वोट चोरी के आरोपों पर अपना विरोध दर्ज कराने के लिए संसद से चुनाव आयोग के कार्यालय तक मार्च निकालने की कोशिश की।

दिल्ली पुलिस बोली

सांसदों ने मार्च के लिए अनुमति नहीं मांगी मार्च संसद के मकर द्वार से शुरू हुआ। सांसदों के हाथों में 'वोट बचाओ' के बैनर थे। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने कहा था कि इंडिया ब्लॉक ने मार्च के लिए कोई अनुमति नहीं मांगी है, इसलिए इलेक्शन कमीशन जाने से पहले ही मार्च को परिवहन भवन के पास बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया गया।

मल्लिकार्जुन खड़गेः यह लोगों के वोट के अधिकार की रक्षा की लड़ाई है। यह लोकतंत्र को बचाने का संघर्ष है।

'देख लिया, विपक्ष अब सुधरने वाला नहीं... जरूरी बिल पास होंगे', कांग्रेस और विपक्षी दलों पर बरसे किरेन रिजिजू

सूत्रों की मानें तो सरकार कुछ और बिल पास करवाने के बाद संसद के दोनों सदनों को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित भी कर सकती है.

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने सोमवार को साफ कर दिया कि विपक्ष के हंगामे की वजह से लगातार समय और पैसे बर्बाद हो रहे हैं. लिहाजा सरकार लोकसभा और राज्य सभा दोनों में महत्वपूर्ण बिल को पारित करवाने का काम करेगी. वहीं, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष के प्रदर्शन और सदन में लगातार हो रहे हंगामे पर कड़ा रुख अख्तियार किया है. सोमवार को संसद के अंदर और बाहर दोनों में ही विपक्षी सांसदों ने बिहार की मतदाता सूची को लेकर धरना प्रदर्शन किया. साथ ही केंद्र सरकार पर विपक्ष की बात नहीं सुनने का आरोप भी लगाया. विपक्ष ने ये साफ कर दिया कि एसआईआर का मुद्दा जब तक सरकार वापस नहीं लेती तब तक उनका प्रदर्शन जारी रहेगा.

वोटर वेरिफिकेशन को लेकर राहुल ने चुनाव आयोग से सवाल किए

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को वोटर लिस्ट में गड़बड़ी पर 1 घंटे 11 मिनट तक 22 पेज का प्रेजेंटेशन दिया। राहुल ने स्क्रीन पर कर्नाटक की वोटर लिस्ट दिखाते हुए कहा कि वोटर लिस्ट में संदिग्ध वोटर मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के नतीजे देखने के बाद हमारा शक पुख्ता हुआ कि चुनाव में चोरी हुई है। मशीन रीडेबल वोटर लिस्ट नहीं देने से हमें भरोसा हुआ कि चुनाव आयोग ने भाजपा के साथ मिलकर महाराष्ट्र के चुनाव की चोरी की है।

यूपी के फतेहपुर में मकबरे पर भगवा लहराया, बवाल-पथराव, तोड़फोड़

हिंदू संगठनों का मंदिर होने का दावा; सड़क पर जाम लगाकर हनुमान चालीसा पढ़ी

एजेंसी

फतेहपुर, यूपी में संभल के बाद अब फतेहपुर में मंदिर-मस्जिद विवाद शुरू हो गया। यहां सोमवार सुबह करीब 10 बजे अचानक बजरंग दल, हिंदू महासभा समेत कई हिंदू संगठनों के 2 हजार लोग ईदगाह में बने मकबरे पर पहुंच गए। पुलिस ने पहले से मकबरे के चारों तरफ बैरिकेडिंग कर दी थी, लेकिन लाठी-डंडे से लैस हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने मकबरे को मंदिर बताकर तोड़फोड़ करनी शुरू कर दी। कुछ युवकों ने मकबरे की छत पर चढ़कर भगवा झंडा लगा दिया। हिंदू महासभा के नेता मनोज त्रिवेदी भीड़ के साथ मकबरे के अंदर पहुंचे और पूजा करने लगे। मकबरे पर भगवा झंडा और पूजा-पाठ देख मुस्लिम समुदाय के लोग भड़क गए। करीब डेढ़ हजार मुस्लिम ईदगाह पहुंच गए। इसके बाद दोनों तरफ से पथराव होने लगा। पुलिस ने लाठियां चलाकर भीड़ को खदेड़ना शुरू किया। बवाल इतना बढ़ा कि 10 थानों की फोर्स बुलाई गई। इसके बाद हिंदू संगठन के सैकड़ों कार्यकर्ता मकबरे से 500 मीटर दूर डाक बंगला चौराहे पर जाम लगा दिया। सड़क पर बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ करने लगे।

बजरंग दल ने दावा किया है कि यह ढांचा मंदिर है और मांग की है कि उन्हें यहां पूजा करने की अनुमति दी जाए। बजरंग दल के फतेहपुर ज़िला सह-संयोजक धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि हम दोपहर में यहीं पूजा-अर्चना करेंगे। प्रशासन हमें रोक नहीं पाएगा।

शहर काजी बोले- कोई हंगामा न करे

शहर काजी सईदुल इस्लाम अब्दुल्ला ने मुस्लिम समुदाय से शान्ति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा- इन लोगों ने शहर का अमन चैन खराब करने के लिए हुड़दंग किया है, लेकिन हमें शांत रहना है। प्रशासन अपना काम करेगा।

बिहार में अजब-गजब मामला...

डोनाल्ड ट्रंप, डॉग बाबू के बाद अब बिल्ली के नाम से आया आवासीय प्रमाण पत्र के लिए आवेदन

एजेंसी

बिहार में कुत्तों के लिए आवासीय प्रमाण पत्र के आवेदनों के बाद, सोमवार को रोहतास में एक बिल्ली के नाम पर आवासीय प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए आवेदन किया गया। आवेदक का नाम कैट कुमार, जिसमें पिता के रूप में कैटी बॉस और माता के रूप में कैटिया देवी लिखा था। रोहतास की जिलाधिकारी (डीएम) उदिता सिंह के निर्देश पर, नासरीगंज के राजस्व अधिकारी कौशल पटेल ने नासरीगंज थाने में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। मामले की जाँच जारी है।

उन्हें लोकतंत्र पर भरोसा कब से होने लगा?

विधानसभा में समाजवादी पार्टी पर योगी का तंज

राज्य भर के उदाहरणों का हवाला देते हुए योगी ने कहा कि चाहे संभल हो, बहराइच हो या गोरखपुर, सपा के कुकर्मों के बारे में सबको पता है। उन्होंने अपने कार्यकाल में कुछ नहीं किया।

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश विधानसभा सत्र के पहले दिन समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सपा और लोकतंत्र एक ही नदी के दो अलग-अलग छोर हैं। सदन को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी और लोकतंत्र एक ही नदी के दो अलग-अलग छोर हैं। उन्हें लोकतंत्र पर भरोसा कब से होने लगा? लोकतंत्र की बात करना उन्हें शोभा नहीं देता। संभल में उन्होंने क्या किया, यह सबको पता है। राज्य भर के उदाहरणों का हवाला देते हुए योगी ने कहा कि चाहे संभल हो, बहराइच हो या गोरखपुर, सपा के कुकर्मों के बारे में सबको पता है। उन्होंने अपने कार्यकाल में कुछ नहीं किया। अगर एनडीए सरकार विकास करना चाहती है, तो आपको (समाजवादी पार्टी को) बुरा लग रहा है। हम पूरे प्रदेश के व्यापारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। सपा शासन में व्यापारियों पर गुंडा टैक्स लगाया जाता था। अपनी आलोचना जारी रखते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी वजह से व्यापारी आपसे नाराज हैं और समाजवादी पार्टी को इसका खामियाजा बार-बार भुगतना पड़ रहा है।

सपा का विरोध, 18 विधायकों ने प्रश्न नहीं पूछे

सतीश महाना ने स्वामी ओमवेश से कहा- आप तो स्वामी हो, आप ही पूछ लीजिए

लखनऊ, यूपी विधानसभा सत्र के पहले दिन की शुरूआत हंगामे के साथ हुई। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने गोरखपुर दौरे के दौरान उनके साथ हुई बदसलूकी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि मुझे गाड़ी से खींचने की कोशिश की गई। इस मामले पर सपा विधायकों ने हंगामा शुरू कर दिया। नारे लगाए- ब्राह्मण विरोधी सरकार नहीं चलेगी। सीएम योगी ने माता प्रसाद पांडेय को जवाब दिया। कहा- आप वरिष्ठ हैं। कुछ लोग आपके कंधे पर बंदूक रखकर गोली चला रहे। आपको ऐसा नहीं होने देना चाहिए। उन्होंने गोरखपुर के विरासत कॉरिडोर के मुद्दे पर सपा की राजनीति को नकारात्मक और विकास विरोधी करार दिया।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने मोदी से फोन पर बातचीत की

रूसी हमलों की जानकारी दी, कहा- भारत शांति प्रयासों का समर्थन कर रहा

युद्ध का अंत शांति और मजबूत सुरक्षा ढांचे के साथ होना चाहिए। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 15 अगस्त को अलास्का में मिलने वाले हैं। इसमें जंग खत्म करने पर बात होनी है।

जेलेंस्की ने कहा कि- भारत हमारे शांति प्रयासों का समर्थन कर रहा है और इस बात पर सहमत है कि यूक्रेन से जुड़ा हर फैसला यूक्रेन की भागीदारी के साथ ही होना चाहिए।

एजेंसी

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोमवार को पीएम मोदी को फोन कर बातचीत की। जेलेंस्की ने पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा- मैंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ लंबी बातचीत की। हमने द्विपक्षीय सहयोग और वैश्विक कूटनीतिक पर विस्तार से चर्चा की। जेलेंस्की ने मोदी को यूक्रेन पर रूसी हमलों के बारे में बताया। उन्होंने कहा- मैंने उन्हें (पीएम मोदी को) हमारे ऊपर रूसी हमलों के बारे में बताया, खासकर कल जापोरिझिया में बस स्टेशन पर हुए हमले के बारे में, जहां रूस ने जानबूझकर एक शहर पर बमबारी की, जिसमें दर्जनों लोग घायल हुए। जेलेंस्की ने भारत को रूस से तेल खरीद कम करने को कहा जेलेंस्की ने मोदी से रूस पर प्रतिबंध लगाने पर भी बात की और रूस के तेल निर्यात को सीमित करने को कहा। जिससे जंग को बढ़ाने की उसकी क्षमता कम हो सके।

कपिल शर्मा की सिक्योरिटी बढ़ी

बिश्नोई गैंग की धमकियों के बाद पुलिस का एक्शन

कनाडा के सरे स्थित कपिल के कैफे पर 7 अगस्त को एक और हमला हुआ था, जो एक महीने से भी कम समय में गोलीबारी की दूसरी घटना थी। इससे पहले 9 जुलाई को भी कैफे पर गोलीबारी हुई थी, जिससे कैफे और उससे जुड़े सभी लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंताएँ बढ़ गई थीं।

एजेंसी

कनाडा स्थित कॉमेडियन कपिल शर्मा के कैफे में हाल ही में हुई गोलीबारी की दो घटनाओं और गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की कथित धमकियों के बाद मुंबई पुलिस ने उनकी सुरक्षा बढ़ा दी है। जानकारी के अनुसार, एहतियात के तौर पर शर्मा के परिवार की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। कनाडा के सरे स्थित कपिल के कैफे पर 7 अगस्त को एक और हमला हुआ था, जो एक महीने से भी कम समय में गोलीबारी की दूसरी घटना थी। इससे पहले 9 जुलाई को भी कैफे पर गोलीबारी हुई थी।

इस्तीफा | राहुल गांधी के खिलाफ बयान पड़ गया भारी

कर्नाटक के मंत्री केएन राजन्ना ने पद से दिया इस्तीफा

एजेंसी

नयी दिल्ली। कर्नाटक में एक नाटकीय राजनीतिक मोड़ के तहत, सहकारिता मंत्री और कांग्रेस नेता केएन राजन्ना ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। यह इस्तीफा उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के 'वोट चोरी' के आरोपों की खुले आम आलोचना करने के बाद दिया है। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस आलाकमान पार्टी के शीर्ष नेता के खिलाफ राजन्ना की टिप्पणी से नाखुश था और उसने मुख्यमंत्री को उन्हें मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने का निर्देश दिया। गौरतलब है कि इस कदम से राज्य में राजनीतिक गहमागहमी का एक नया दौर शुरू हो गया है। इससे पहले, राजन्ना ने कहा था कि उन्होंने अपने पद से इस्तीफा नहीं दिया है। उन्होंने कहा था, मैंने अपना इस्तीफा नहीं दिया है। मैं मुख्यमंत्री से बात करूँगा और अपना स्पष्टीकरण दूँगा। हालाँकि, इसके कुछ ही देर बाद, उन्होंने कर्नाटक मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को आलाकमान से स्पष्ट निर्देश मिले थे कि राजन्ना को बिना किसी देरी के मंत्रिमंडल से हटा दिया जाए। हालाँकि राजन्ना ने शुरूआत में पद छोड़ने से इनकार कर दिया था, लेकिन कथित तौर पर मुख्यमंत्री ने उन्हें आज शाम तक की समयसीमा दी थी और चेतावनी दी थी कि अगर उन्होंने स्वेच्छा से इस्तीफा नहीं दिया, तो उन्हें पद से हटा दिया जाएगा। सोमवार को विधानसभा सत्र के दौरान, मुख्यमंत्री ने राजन्ना के साथ एक अलग बैठक की।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को आलाकमान से स्पष्ट निर्देश मिले थे कि राजन्ना को बिना किसी देरी के मंत्रिमंडल से हटा दिया जाए। हालाँकि राजन्ना ने शुरूआत में पद छोड़ने से इनकार कर दिया था, लेकिन कथित तौर पर मुख्यमंत्री ने उन्हें आज शाम तक की समयसीमा दी थी और चेतावनी दी थी कि अगर उन्होंने स्वेच्छा से इस्तीफा नहीं दिया, तो उन्हें पद से हटा दिया जाएगा।

इसके तुरंत बाद, राजन्ना ने मुख्यमंत्री को अपना इस्तीफा सौंप दिया। राजन्ना की यह टिप्पणी तुमकुरु में आई, जहाँ उन्होंने राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों की आलोचना की। ऐसा नहीं बोलना चाहिए मतदाता सूची कब बनी थी?

यह मतदाता सूची कांग्रेस के शासनकाल में बनी थी... उस समय कोई क्यों नहीं बोला? आँखें क्यों बंद थीं? अगर मैं अब और बोलूँगा, तो हालात और बिगड़ जाएँगे। यह सच है कि भाजपा ने गलत काम किया है; इसमें कोई शक नहीं। लेकिन यह सब हमारी आँखों के सामने हुआ। यह भी सोचने वाली बात है... हमें भविष्य में और भी ज्यादा सतर्क रहना होगा। इधर राजन्ना की टिप्पणियों को शिवकुमार खेमे के सदस्यों ने अच्छी तरह से लिया और उन पर और अन्य वरिष्ठ नेताओं पर पार्टी हितों के विरुद्ध काम करने का आरोप लगाया.

मतदाता सूची में मृत लोगों के नाम पाए गए, एसआईआर से ये विसंगतियां दूर हो सकती हैं: हिमंत विश्व शर्मा

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेता को निर्वाचन आयोग से कहना चाहिए कि वह मतदाता सूचियों को संशोधित करे और मतदाताओं के नाम को उनकी आधार संख्या से जोड़े ताकि एक व्यक्ति दो स्थानों पर वोट न दे सके।

एजेंसी

नयी दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को दावा किया कि राज्य में नदी घाटी क्षेत्रों और कई अन्य स्थानों की मतदाता सूचियों में मृत लोगों तथा अन्यत्र रहने वाले लोगों के नाम पाए गए हैं, जबकि इन इलाकों से 100 प्रतिशत मतदान की खबर होती है। उन्होंने रेखांकित किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से मतदाता सूची में ऐसी विसंगतियों को दूर किया जा सकता है। शर्मा ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का विरोध करने को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भी आलोचना की। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा होना है। मुख्यमंत्री ने चिरांग में आयोजित एक कार्यक्रम से इतर कहा, आप सभी जानते हैं कि असम में, चाहे वह चार (नदी तट इलाके) इलाके हों या अन्य जगह, मतदाता सूची में मृत लोगों के नाम भरे पड़े हैं। विवाहित बेटियों के नाम नहीं काटे गए हैं। फिर भी, उन जगहों पर 100 प्रतिशत मतदान होता है। उन्होंने दावा किया, जब एसआईआर कराया जाएगा और मतदाता सूची में नामों का आधार संख्या के साथ मिलान किया जाएगा, तो ये समस्याएं सुलझ जाएंगी।

सम्पादकीय

इस तमाशे को बंद करें, चुनाव आयोग पर विपक्षी नेताओं और राहुल गांधी की निराधार आपत्तियां

यह तमाशा तभी बंद हो सकता है जब सर्वोच्च न्यायालय हस्तक्षेप करे। उसे करना भी चाहिए क्योंकि बिहार में मतदाता सूची के सत्यापन का पूरा मामला उसके संज्ञान में है और वह सत्यापन को सही मानकर उसकी सुनवाई भी कर रहा है। अब तो चुनाव आयोग ने यह भी कह दिया कि बिना सूचना और कारण के किसी का नाम मतदाता सूची से नहीं हटेगा।चुनाव आयोग की ओर से बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर विपक्षी नेताओं और विशेष रूप से राहुल गांधी की निराधार आपत्तियां थमने का नाम नहीं ले रही हैं। अब तो वे चुनाव आयोग पर भाजपा के लिए धांधली कराने के नए सनसनीखेज आरोप सामने लेकर आ गए हैं। उन्होंने अपने इन आरोपों को एटम बम की संज्ञा दी, लेकिन वैसा कुछ धमाका तो हुआ नहीं, जैसा वे दावा कर रहे थे। जहां चुनाव आयोग चुनावों में धांधली के राहुल गांधी के आरोपों को झूठ बताने में लगा हुआ है, वहीं राहुल एवं कुछ अन्य विपक्षी नेता आयोग को गलत बताने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाए हुए हैं।यह संभवतः पहली बार है कि संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग के खिलाफ विपक्ष ने आसमान सिर पर उठा रखा है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इस काम में नेता विपक्ष राहुल गांधी सबसे आगे हैं। उनकी ओर से बेंगलुरु लोकसभा चुनाव में धांधली के जो तथाकथित प्रमाण दिए गए, उन्हें चुनाव आयोग ने न केवल सिरे से खारिज किया, बल्कि राहुल गांधी से यह भी मांग की कि वे अपने दावे के पक्ष में या तो शपथपत्र दें अथवा अपने झूठे आरोपों के लिए देश से माफी मांगें। चुनाव आयोग ने उन्हें चेतावनी भी दी है और कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी ने तो एक महिला के दो बार वोट डालने के उनके दावे को चुनौती देते हुए उनसे प्रमाण भी मांगे हैं। इसमें संदेह है कि राहुल गांधी अपने दावे के पक्ष में कोई प्रमाण देने का काम करेंगे। उन्होंने अपने दावों के पक्ष में यह कहते हुए शपथपत्र देने से इन्कार किया कि उन्होंने संसद में संविधान की शपथ ले रखी है। यदि ऐसा है तो राफेल मामले में सुप्रीम कोर्ट से क्षमा याचना करते समय उन्होंने हलफनामा क्यों दिया था? क्या इसलिए कि उन्हें सुप्रीम कोर्ट की ओर से तो ठोस कार्रवाई किए जाने का भय था, लेकिन चुनाव आयोग की किसी कार्रवाई की उन्हें तनिक भी परवाह नहीं? इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि चुनाव आयोग ने बिहार में मतदाता सूची का जो प्रारूप जारी किया है, उस पर नौ दिन बाद भी किसी राजनीतिक दल ने अपनी कोई आपत्ति नहीं दर्ज कराई है। स्पष्ट है कि विपक्षी दल जनता को बरगलाने के लिए झूठे आरोपों के सहारे चुनाव आयोग को बदनाम करने में लगे हुए हैं। यह तमाशा तभी बंद हो सकता है जब सर्वोच्च न्यायालय हस्तक्षेप करे।

आज का विचार

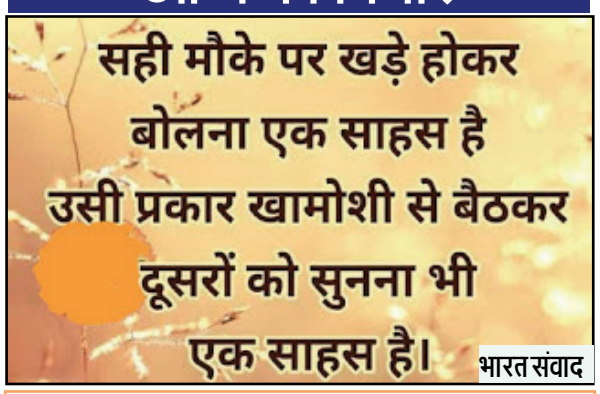

राशिफल

मेष राशि : आपका दिन मिलाजुला रहेगा और नौकरी करने वाले लोग अपने काम में ज्यादा व्यस्त रहेंगे। ऐसे में आसपास के लोग आपकी सराहना भी करेंगे। वहीं, सरकारी नौकरी की तैयारी करने वालों को कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है। व्यापार के मामले में दिन की शुरूआत थोड़ी धीमी होगी, लेकिन शाम के समय आपके रुके हुए काम बन सकते हैं।

वृषभ राशि : दिन शुभ और सुकून भरा रहने वाला है। राजनीति के क्षेत्र से जुड़े लोगों को अपने प्रयासों का सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकता है और सफलता भी मिलेगी। शासन और सत्ता से मेलजोल होने के कारण आपको अच्छा मुनाफा हो सकता है। आपकी प्रतिष्ठा और पद में वृद्धि होने के संकेत मिल रहे हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुन राशि : आपको किसी भी प्रकार की यात्रा के समय सावधान रहने की जरूरत है, अन्यथा कोई मूल्यवान वस्तु खो या चोरी हो सकती है। ऐसे में यात्रा को इस समय टालना बेहतर रहेगा। विद्यार्थियों को शिक्षा या किसी प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त हो सकती है। इसी के चलते मन भी प्रसन्न रहेगा। व्यापार में शाम के समय आपके रुके हुए काम पूरे होंगे और किसी मांगलिक कार्य में शामिल होने का अवसर भी मिल सकता है।

कर्क राशि: कारोबार के मामले में आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। चन्द्रमा नवम भाव में होने से आपको उत्तम संपत्ति प्राप्त हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। साथ ही, समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा और कार्यक्षेत्र में उन्नति मिलेगी।

सिंह राशि : आपकी राशि का स्वामी सूर्य ग्रह चार ग्रहों के बीच में होने से नौकरी में आमदनी के नए स्त्रोत बन सकते हैं। आपकी मधुर वाणी और व्यवहार कार्यक्षेत्र में सम्मान दिलाएगी। वहीं, विद्यार्थियों को शिक्षा या किसी प्रतियोगिता में विशेष सफलता प्राप्त हो सकती है।

कन्या राशि: दिन उत्तम रहने वाला है और भाग्य का भी आपको पूरा साथ मिलेगा। व्यापार और कारोबार के मामले में आपके द्वारा किए गए प्रयासों से अब बड़ी सफलता प्राप्त हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

तुला राशि : आपके चारों ओर सुखद वातावरण बना रहेगा, जिससे मन भा प्रसन्न रहेगा। आर्थिक मामलों में चल रही समस्याएं अब दूर हो सकती हैं। वहीं, अगर पैसों की लेन-देन में कोई बाधा आ रही थी, तो वह भी अब दूर होगी।

वृश्चिक राशि: राशि से मार्गी शनि और पंचम चंद्र योग चलने से आपको सावधान रहने की जरूरत है। साथ ही, स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान देना होगा। कोई भी समस्या होने पर डॉक्टर के पास जरूर जाएं। व्यापार के मामले में कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना बेहतर होगा, अन्यथा नुकसान उठाना पड़ सकता है।

धनु राशि: रोजगार और व्यापार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में विरोधी आपके काम की प्रशंसा करेंगे। शासन व सत्ता पक्ष से जान पहचान या मित्रता होने से भी आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। आर्थिक मामलों में भी दिन शुभ रहेगा और किसी मामले में आपको ससुराल पक्ष से धन प्राप्त हो सकता है।

मकर राशि: आर्थिक मामलों में दिन अनुकूल रहने वाला है और आपको बड़ी सफलता प्राप्त हो सकती है। कार्यस्थल पर अधीनस्थ कर्मचारियों का सम्मान और सहयोग प्राप्त होगा।

कुंभ राशि: आपका दिन कुछ परेशानियों और बाधाओं से भरा रह सकता है। व्यापार के मामले में कुछ कार्यों में आपको समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

मीन राशि : कामकाज के सिलसिले में किसी यात्रा पर जाते समय आपको सावधानी बरतनी होगी। ऐसा न करने से कोई मूल्यवान वस्तु चोरी या खो हो सकती है। कार्यक्षेत्र में कोई भी निर्णय जल्दबाजी में लेने से बचें और आर्थिक मामलों में भी सतर्क रहें। अगर जीवनसाथी के साथ लंबे समय से किसी बात को लेकर मनमुटाव चल रहा था।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

शिक्षकों की शिक्षा पर भी देना होगा ध्यान, गुणवत्ता और नवाचार के लिए समर्पित अध्यापक सबसे महत्वपूर्ण आधार

शिक्षा में उत्कृष्टता गुणवत्ता और नवाचार के लिए सबसे महत्वपूर्ण आधार प्रशिक्षित प्रतिबद्ध और समर्पित अध्यापक हैं। किसी भी स्कूल या बड़े संस्थान की साख उसके अध्यापकों प्राध्यापकों और प्रबंधकों की नियति लगनशीलता कर्मठता और सत्य-निष्ठा पर निर्भर करती है। इस शाश्वत सत्य को सरकारों को ही नहीं बल्कि राष्ट्र और समाज को भी स्वीकार करना होगा।

पा शिक्षा के क्षेत्र में आने वाले वर्षों में कई नई चुनौतियां सामने आएंगी, जिनका सामना केवल वे युवा कर सकेंगे, जिनके पास उत्कृष्ट स्तर की शिक्षा होगी और जो नए समय के लिए उपयोगी कौशलों से लैस होंगे तथा जीवनभर नए ज्ञान एवं कौशल सीखने के लिए तत्पर रहेंगे। यह उत्कृष्टता उन्हें उन्हीं संस्थानों से प्राप्त होगी, जिनकी कार्यसंस्कृति उच्च स्तर की होगी। कोठारी आयोग (1964-66) की रिपोर्ट आने के बाद देश में शिक्षा के क्षेत्र में गतिविधियां तेजी से बढ़ी थीं। चूंकि तब स्कूलों और प्रशिक्षण संस्थानों का तेजी से विस्तार आवश्यक था और वह तेजी से हुआ भी, इसलिए जब भी किसी व्यवस्था में तेजी से विस्तार होता है, तो गुणवत्ता में कमी को रोकने के विशेष प्रयास करने होते हैं, जिन पर ध्यान नहीं दिया जा सका। शिक्षक प्रशिक्षण में नए निजी संस्थान खोलने की ओर उन लोगों का ध्यान भी बड़ी संख्या में गया, जो इसमें व्यापार की संभावनाएं देखने लगे थे। राज्य सरकारों द्वारा नए सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान खोलने से पीछेहटने से भी उन्हें भारी प्रोत्साहन मिला। शिक्षक प्रशिक्षण में गुणवत्ता का ह्रास वर्ष 1970 के बाद विश्वविद्यालयों द्वारा पत्राचार से बीएड पाठ्यक्रमों के प्रारंभ होने से हुआ। सरकारी विश्वविद्यालयों ने केवल आर्थिक लाभ के लिए बिना पर्याप्त और आवश्यक संसाधन जुटाए ही पत्राचार द्वारा बीएड पाठ्यक्रम प्रारंभ कर दिए थे। इन पाठ्यक्रमों में धनार्जन ही मुख्य लक्ष्य था। वर्ष 1998-99 में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) ने बिहार के तत्कालीन राज्यपाल को एक प्रतिवेदन देकर प्रस्तुति दी कि कैसे कुछ सरकारी विश्वविद्यालय खुलेआम बीएड की डिग्री बेच रहे हैं। जांच हुई, छापे पड़े, गिरफ्तारियां हुईं तो केवल बीएड ही नहीं, अन्य अनेक विषयों की उपाधियां भी तैयार मिलीं। बिहार बीएड स्कैंडल 1999 के संबंध में जानकारी प्राप्त की जा सकती है। फिर क्या हुआ, इसके संबंध में एक अत्यंत कष्टकर वर्णन 2012 में उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित आयोग के अध्यक्ष एवं भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जेएस वर्मा ने भी लिखा, जो न केवल उनकी पीड़ा को दर्शाता है, बल्कि लगभग सभी नियामक संस्थाओं और व्यवस्था की दयनीय स्थिति का स्पष्ट वर्णन करता है। स्थिति 2020 तक भी वैसी ही रही। उनके कथन को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में दोहराना पड़ा, ...न्यायमूर्ति जेएस वर्मा आयोग (2012) के अनुसार स्टैंडअलोन टीईआइ (शिक्षक शिक्षा संस्थान), जिनकी संख्या 10,000 से अधिक है, अध्यापक शिक्षा के प्रति लेशमात्र गंभीरता से प्रयास नहीं कर रहे हैं, बल्कि इसके स्थान पर डिग्रियों को बेच रहे हैं। इस दिशा में अब तक किए गए विनियामक प्रयास न तो सिस्टम में बड़े पैमाने पर व्याप्त भ्रष्टाचार को रोक पाए हैं, और न ही गुणवत्ता के लिए निर्धारित बुनियादी मानकों को लागू कर पाए हैं, बल्कि इन प्रयासों का इस क्षेत्र में उत्कृष्टता और नवाचार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। कुछ परिवर्तनों के साथ ऐसे ही निष्कर्ष विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही अधिकांश नियामक संस्थाओं पर आज भी लागू होते हैं। इनमें से एक राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) ने अभी कुछ महीने पहले अपने लगभग 800 निरीक्षणकर्ताओं को हटाया, क्योंकि उसके कुछ निरीक्षणकर्ताओं को सीबीआइ ने पकड़े थे। जो इसे समझ सकता है, वह यह भी समझ जाएगा कि एनसीटीई की साख में बट्टा लगाने के लिए भी कौन लोग जिम्मेदार थे। इस समस्या का समाधान संभव है। इसका उदाहरण एनसीटीई ने ही 1998 के आसपास देश के समक्ष रख दिया था। एक बड़े राज्य के मंत्रिमंडल ने अक्टूबर/नवंबर में 70 नए बीएड कालेज उसी वर्ष से खोलने की स्वीकृति प्रदान कर दी थी। यह एनसीटीई के नियमों का खुला उल्लंघन था। इस संस्था ने हर संभव प्रयास किया कि इस स्वीकृति को अगले वर्ष तक रोका जाए। न राज्य सरकार से, न मुख्यमंत्री के स्तर पर कोई सुनवाई हुई। फिर एनसीटीई ने साहस दिखाकर 15-20 विज्ञापन अनेक भाषाओं में उस राज्य में ही नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर भी जारी कर दिए कि इन संस्थानों से प्राप्त डिग्री अमान्य होगी, अवैध होगी। इस पर बड़ा तहलका मचा। केंद्र सरकार भी इस कार्रवाई से अप्रसन्न थी, मगर संस्था डटी रही। लिहाजा राज्य सरकार को अपना आदेश वापस लेना पड़ा। यही एक पत्राचार विश्वविद्यालय के साथ भी किया गया। अनेक निरीक्षणकर्ताओं से निरीक्षण के दौरान प्राप्त उपहार वापस कराए गए। कई नामी-गिरामी लोगों से आगे निरीक्षण का कार्य ले लिया गया। शिक्षा में उत्कृष्टता, गुणवत्ता और नवाचार के लिए सबसे महत्वपूर्ण आधार प्रशिक्षित, प्रतिबद्ध और समर्पित अध्यापक हैं। किसी भी स्कूल या बड़े संस्थान की साख उसके अध्यापकों, प्राध्यापकों और प्रबंधकों की नियति, लगनशीलता, कर्मठता और सत्य-निष्ठा पर निर्भर करती है। इस शाश्वत सत्य को सरकारों को ही नहीं, बल्कि राष्ट्र और समाज को भी स्वीकार करना होगा। उसे हर स्वीकृत पद पर नियमित नियुक्ति पद खाली होने से पहले पूरी करनी होगी। देश के सामने इसके अलावा और कोई विकल्प नहीं है।

पारिस्थितिकी - सौम्य, शांत जैसा दिखने वाला कबूतर खतरनाक वायरस फैला कर पक्षियों,जीव-जंतुओं और कृषि के साथ मनुष्य के लिए घातक साबित हो रहा

हरीश शिवनानी

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में गत सप्ताह पुलिस में एक अनूठा मामला दर्ज किया गया है जो संभवतः देश का पहला ऐसा मामला होगा। मुंबई में एक व्यक्ति के विरुद्ध कबूतरों को दाना डालने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई और 142 लोगों पर 68,700 रुपए का जुमार्ना लगाया गया। मामला बृहतमुम्बई म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएमसी) से लेकर उच्च न्यायालय तक पहुंच कर देश भर में चर्चित हो गया। बीएमसी ने कबूतरों को मानव-स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बताते हुए शहर के कबूतरखानों को बंद करने और खुले चौक वाले स्थानों पर तिरपाल लगाने के आदेश दिए हैं। इससे देश के पक्षी प्रेमियों, धार्मिक-सामाजिक संगठनों में इस बात को लेकर रोष और विरोध शुरू हो गया है। इसके साथ ही जीवविज्ञानियों और चिकित्सकों में कबूतरों को लेकर बहस छिड़ गई है कि क्या कबूतर जैसा सौम्य, शांत जैसा दिखने वाला पक्षी भी मनुष्य के लिए घातक हो सकता है ? जवाब है हाँ, कबूतर न केवल मानव -स्वास्थ्य बल्कि पारिस्थितिकी और जैव विविधता के लिए भी घातक साबित हो रहा है।पिछले कुछ दशकों में कबूतरों की अनियंत्रित बढ़ती आबादी चिंता का विषय बन गई है। इससे न केवल अन्य छोटे पक्षियों की संख्या पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है बल्कि स्थानीय जैव विविधता में भी भारी अंतर आ रहा है। कबूतर कई प्रकार के वायरस का भी संवहन करते हैं जो अस्थमा व साँस की बीमारियों से प्रभावित लोगों के लिए काफी खतरनाक, जहरीले साबित हो रहे हैं। एक मादा कबूतर वर्ष भर में 48 बच्चों को जन्म दे सकती है और एक कबूतर एक वर्ष में औसतन 12 किलोग्राम बीट उत्सर्जित करता है जो अत्यधिक अम्लीय तथा जहरीली होती है। सूखने के बाद यह हवा में धूल के साथ मिलकर आसानी से प्रसारित होती है। भारत के हर गांव, कस्बे, शहर में अनेक जगहों पर रोजाना खूब दाना डाला जाता है। अब यह परंपरा घातक हो सकती है।अमेरिका के जैव विज्ञानी और पक्षी विशेषज्ञ रॉबर्ट ए. पियर्स की शोध रिपोर्ट है कि कबूतरों के पंखों की फड़फड़ाहट व इनकी बीट में पाए जाने वाले सूक्ष्म जीवाणु और कीटाणु, कवक, खांसी, जुकाम, अस्थमा और फेफड़ों में संक्रमण सहित अनेक बीमारियों के कारण बन सकते हैं। शोध में कबूतर के बीट व पंखों में 20 से अधिक पैथोजेनिक बैक्टीरिया और फंगस पाए गए। कबूतरों की बीट लंबे समय तक जमा रहने दी जाए, तो हिस्टोप्लास्मोसिस रोग उत्पन्न कर सकती है, जो मानव श्वसन तंत्र को गम्भीर रूप से प्रभावित करता है। कबूतर प्रत्यक्ष रूप से स्वयं ही बीमारी नहीं फैलाते बल्कि वे अन्य पक्षियों में बीमारी के बैक्टीरिया संचारित कर उनके माध्यम से भी इंसानों में प्रसारित करते हैं। मसलन, एक बीमारी है- सिटाकोसिस। यह रोग कबूतरों से विभिन्न पक्षियों की कई अलग-अलग प्रजातियों को प्रभावित कर सकता है। संचरण करते करते संक्रमित पक्षी श्वसन स्रावों और मल के माध्यम से बैक्टीरिया छोड़ते हैं। जब ये स्राव और मल सूख जाते हैं, तो धूल बनकर हवा में फैल जाती है और साँस के जरिए मानव श्वसन तंत्र में प्रवेश कर जाती है। यह श्वसन रोग पक्षियों द्वारा छोड़े गए क्लैमाइडिया सिटासी बैक्टीरिया से होता है। इसे ह्यतोता बुखारह्ण भी कहा जाता है। पिछले 7-8 वर्षों में ऐसी बीमारियों के मामले पांच गुना बढ़ चुके हैं। पक्षियों के अलावा कबूतरों के बाहरी परजीवियों में घुन, पिस्सू, किलनी और कीड़े शामिल हैं जो परोक्ष रूप में घातक बीमारियों के संचरण में सहायक बनते हैं। जीव-पक्षियों, खेतों के लिए भी खतरनाक मानव-स्वास्थ्य के अलावा कबूतर पारिस्थितिकी और जैव विविधता के लिए खतरनाक साबित हो रहे हैं। कबूतर बड़ी मात्रा में बीज और अन्य खाद्य संसाधनों का उपभोग करते हैं, जो अन्य पक्षियों और छोटे जीवों के लिए भोजन की कमी का कारण बनता है। वे घोंसले बनाने की जगह के लिए भी अन्य स्थानीय पक्षियों (जैसे गौरैया, मैना आदि) के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं और छोटे पक्षियों जैसे गोरैया, तोते व अन्य पक्षियों का भोजन भी चट कर जाते हैं; जिससे इन अन्य पक्षियों की संख्या में बेहद कमी आई है, छोटी चिड़िया (गौरेया), जो कीटों का भक्षण करके कृषि में सहायक होती थी, आज विलुप्त प्रायः है तथा कबूतरों के बचे दाने से आकर्षित होकर चूहों की संख्या में वृद्धि भी कृषि के लिए हानिकारक साबित हो रही है। जलाशयों के निकट इनकी उपस्थिति, पंखों से गंदगी, बीट निष्कासन छोटी मछलियों व अन्य जलीय जीवों के लिए भी जहरीली साबित होती है। उनकी अम्लीय बीट मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित लेती है। यह पौधों की वृद्धि को भी नुकसान पहुंचाती है।

यह समस्या भारत की ही नहीं, पूरे विश्व की है। ऑस्ट्रिया के वियना में कबूतरों को दाना डालने पर 36 यूरो जुमार्ना लगता है। स्पेन के कई शहरों में ओविस्टोप नामक ड्रग का प्रयोग इनके दाने में मिलाकर किया जाता है जो एक प्रकार का गर्भ निरोधक है। सैन फ्रांसिस्को के अलावा लन्दन के मशहूर ट्राफलगर स्क्वायर पर कबूतरों को दाना डालने पर प्रतिबन्ध है। इटली के वेनिस शहर में सेंट मार्क स्क्वायर पर दाना बेचने वालों पर कठोर जुमार्ने का प्रावधान है।ऑस्ट्रेलिया, अमरीका, न्यूजीलैंड, कनाडा, जर्मनी जैसे देशों के महानगरों में इन्हें पालना प्रतिबंधित है। भारत में भी इस प्रकार के नियमों की सख्त आवश्यकता है ताकि समय रहते घातक बीमारियों तथा अन्य पक्षियों की संख्या में आ रही गिरावट को रोककर जैव विविधता का संतुलन बनाया जा सके।

स्वतंत्रता दिवसः बाल मन में राष्ट्रीय चेतना जागरण

विनोद बब्बर

79वें स्वतंत्रता दिवस पर भारत की एकता, अखण्डता को अक्षुण रखने के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीरों, पूरे विश्व में भारत की प्रतिष्ठा को बुलंदियों तक पहुंचाने के लिए दिन-रात एक करने वाले सभी वैज्ञानिकों, शिक्षकों, सांस्कृतिक राजदूत साहित्यकारों को श्रद्धा से नमन करना कर्मकांड नहीं अपितु हम सब का कर्तव्य है। स्वाभाविक रूप से संपूर्ण राष्ट्र अपने इस कर्तव्य का पालन करेगा। इस अवसर पर देश की भावी पीढ़ी के बाल मन में राष्ट्रीय चेतना जागृत करने के अभियान को गति देना आवश्यक है। प्रत्येक बालक को अपनी मातृभूमि और श्रेष्ठ सांस्कृतिक मूल्यों के बारे में जानकारी होनी चाहिए।दुनिया भर के मनोवैज्ञानिक एक स्वर में बताते हैं कि श्रेष्ठ संस्कार प्रदान करने का सही समय बचपन ही हो सकता है। केवल भारत ही नहीं, दुनिया का हर विवेकशील राष्ट्र अपने भावी कर्णधारों को स्कूली शिक्षा के साथ राष्ट्रभक्ति के गुणों से भी समृद्ध करने का प्रयास करता है। जापान का वह प्रसंग सर्वविदित है जब स्वामी रामतीर्थ वहां के एक विद्यालय में गए। स्वामी जी ने एक विद्यार्थी से पूछा, बच्चे, तुम किस धर्म को मानते हो? छात्र का उत्तर था, बौद्ध धर्म। स्वामी जी ने फिर पूछा, बुद्ध के विषय में तुम्हारे क्या विचार हैं? विद्यार्थी ने उत्तर दिया, हर रिश्ते नाते में प्रथम बुद्ध हमारे भगवान हैं। इतना कह कर उसने अपने देश की प्रथा के अनुसार भगवान बुद्ध को सम्मान के साथ प्रणाम किया। अनेक प्रश्नों के अंत में स्वामी जी ने पूछा, बेटा, अगर किसी दूसरे देश से जापान को जीतने के लिए एक भारी सेना आए और उसके सेनापति बुद्ध हों तो उस समय तुम क्या करोगे? इतना सुनते ही छात्र का चेहरा क्रोध से तमतमा उठा। अपनी लाल-लाल आंखों से स्वामी रामतीर्थ को घूरते हुए उसने जोश से कहा, तब मैं अपनी तलवार से बुद्ध का सिर काट दूंगा।समाज और राष्ट्र के भावी स्वरूप की पृष्ठभूमि तैयार करने में श्रेष्ठ बाल साहित्य और शैक्षिक पाठ्यक्रम की महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकार ने शिक्षा नीति में अनेक महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं लेकिन स्कूली पाठ्यक्रम में देश प्रेम और संस्कृतिके प्रति जागृत करने वाली सामग्री का अभाव दिखाई देता है। बदलते परिवेश में समाज- परिवार भी अपने बच्चों को श्रेष्ठ संस्कार और विचार रूपी खाद प्रदान करने के प्रति बहुत सजग नहीं है। इसी कारण परिस्थितियां हमारे बच्चों को मोबाइल, इंटरनेट गेम आदि की ओर धकेल रही हैं।दुर्भाग्य की बात यह है कि परिवारों में साहित्य और संस्कृति से संबंधित साहित्य का पठन-पाठन लगभग बंद हो गया है। ऐसे में हमारे बच्चे भी बाल साहित्य की पत्रिकाओं से दूर गेम डाउनलोड करने अथवा यू-ट्यूब पर वह सब देख-सुन रहे हैं जो इस आयु में उनसे दूर होना चाहिए था। ऐसा नहीं है कि इन परिस्थितियों और उनके विस्फोटक परिणाम की जानकारी न हो। परंतु न जाने क्यों अभिभावक, शिक्षक, समाज, सरकार सब लगभग मौन हैं। कटु सत्य तो यह कि कुछ पत्रिकाओं को छोड़ अधिकांश साहित्यकार भी देश प्रेम और संस्कृति से संबंधित सरस रचनाएं लिखना भूल दिखावटी प्रेम और तथाकथित आधुनिकता के रंग में रंगा भ्रमित है। ऐसे में जापान जैसी भावना हमारे छात्र में भला कैसे संभव है? उसके लिए तो अपने स्कूली पाठ्यक्रम से बाल-साहित्य, लोक-व्यवहार, खेलों, गीतों, फिल्मों, टीवी चैनलों पर प्रसारित किये जा रहे कार्यक्रमों को राष्ट्रीय चेतना से समृद्ध करना होगा। राष्ट्रीय चेतना के विकास में बाधक उपसंस्कृति को हतोत्साहित करना होगा। ज्ञातव्य है कि महात्मा गांधी भी बच्चों में राष्ट्रीय चेतना जागृत करने के प्रबल पक्षधर थे इसलिए उन्होंने बच्चों के लिए धार्मिक संदेशों व शिक्षा पर आधारित बाल पोथी और नीति धर्म नामक पुस्तकें तैयार की।

क्या हाईकोर्ट छुट्टी पर है? सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार, मनसे प्रमुख राज ठाकरे के खिलाफ याचिका पर सुनवाई से इनकार

सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे महाराष्ट्र में गैर मराठी लोगों के खिलाफ नफरत फैला रहे हैं। अदालत ने इस याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया है। इसके बाद याचिकाकर्ता ने याचिका वापस ले ली।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई\नई दिल्लीः देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में पिछले कुछ दिनों से मराठी और गैर मराठी भाषा को लेकर विवाद चल रहा है। सोशल मीडिया पर यह बात सामने आई है कि मनसे पदाधिकारी कुछ हिंदी भाषी या गैर मराठी व्यापारियों या गैर-मराठी भाषी लोगों की पिटाई कर रहे हैं। इस बीच मराठी के मुद्दे पर एक रैली के बाद ठाकरे बंधुओं की ओर से दिए गए भाषण पर आपत्ति जताते हुए राज ठाकरे के खिलाफ अदालत में एक याचिका दायर की गई। सुप्रीम कोर्ट ने राज ठाकरे के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। इसके बाद याचिकाकर्ता ने याचिका वापस ले ली। सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा ?सुप्रीम कोर्ट ने राज ठाकरे के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करने से साफ इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने राज ठाकरे के खिलाफ दायर याचिका को केवल प्रचार के लिए बताया है। याचिका दायर करने वाले याचिकाकर्ता हाईकोर्ट क्यों नहीं गए? क्या हाईकोर्ट छुट्टी पर है ? सुप्रीम कोर्ट ने यह पूछा है। दरअसल याचिका में आरोप लगाया गया था कि राज ठाकरे गैर मराठी लोगों के खिलाफ नफरत फैला रहे हैं। याचिका में क्या आरोप ?याचिका में आरोप लगाया गया

चुनाव आयोग क्या राष्ट्रपति और सुप्रीम कोर्ट से बड़ा है...वोट चोरी पर घमासान के बीच उद्धव ठाकरे का बड़ा हमला

ठाकरे ने कहा कि केंद्र सरकार ने दिल्ली में तमाशा किया और कहा कि उन्होंने सुना है कि विपक्षी सांसदों को ईसीआई के पास ले जाने का आश्वासन देकर झूठा हिरासत में लिया गया।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी द्वारा वोट चोरी के आरोपों पर राजनीति गरमाई हुई है। दिल्ली के दौरे पर लौटे शिवसेना यूबीटी के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने सोमवार को बड़ा हमला बोला है। उन्होंने पूछा कि क्या चुनाव आयोग राष्ट्रपति और सुप्रीम कोर्ट से भी बड़ा है ? ठाकरे ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि जब चुनाव आयोग के खिलाफ लड़ाई चल रही है, तो सरकार इसमें क्यों शामिल हो रही है ? ठाकरे ने कहा कि केंद्र सरकार ने जो तमाशा किया है, वह शर्मनाक है। सांसदों से कहा गया था कि वे उन्हें चुनाव आयोग ले जाएंगे और पता चला कि वे उन्हें पुलिस स्टेशन ले गए। उद्धव ठाकरे का यह बयान सामना में प्रहार के बाद आया है सामना में लिखा था कि जनता चुनाव आयोग को कोड़े मारेगी। उद्धव ठाकरे ने ये भी कहा कि लोकसभा के चुनाव के परिणाम से बिल्कुल उल्टा नतीजा विधानसभा चुनाव में आया. बीच में पांच या छह महीने थे। इतने समय में वोटर बढ़ गए, वो लोग कहां से आए?

वोट चोरी एक डकैती है

उद्धव ठाकरे ने कहा कि वोट चोरी की तुलना एक डकैती से की। उनहोंने कहा कि प्रधानमंत्री और अन्य लोगों को आमने-सामने बैठकर राहुल गांधी द्वारा दिए गए प्रेजेंटेशन को समझना चाहिए। इस मुद्दे को पूरे देश में उठाया जाना चाहिए। यह देश के लोकतंत्र का मुद्दा है, छह महीने में 45 लाख वोट बढ़ गए। यह कहां से आया? इसलिए आपको नामों की जांच करनी चाहिए, देखना चाहिए कि आपके पते में कोई और मतदाता तो नहीं जुड़ गया है, ऐसा उद्धव ठाकरे ने इस बार कहा है। ठाकरे ने आगे कहा कि सरकार ने लोकतंत्र को कलंकित किया है। आयोग के खिलाफ लड़ाई है। लेकिन यह स्पष्ट हो गया है कि भाजपा इसमें क्यों आ रही है। राहुल गांधी ने साफ तौर पर दिखा दिया है कि वोट कैसे चुराए गए। आयोग उनसे हलफनामा मांग रहा है, यह कैसा फिजूलखर्ची का धंधा है ?उन्होंने चेतावनी दी कि विपक्ष द्वारा पिछले लोकसभा चुनावों में कथित तौर पर की गई वोट चोरी आगामी बिहार चुनावों में दोहराई जा सकती है। ठाकरे की यह टिप्पणी ऐसे दिन आई है जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में लगभग 300 विपक्षी नेताओं को कथित चुनावी धांधली के मुद्दे पर नई दिल्ली स्थित चुनाव आयोग कार्यालय तक मार्च के दौरान पुलिस ने रोक दिया। गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सपा प्रमुख अखिलेश यादव सहित कई नेताओं को हिरासत में लिया गया। ठाकरे ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा अपने निर्वाचन क्षेत्र में कथित तौर पर मतदाताओं के नाम हटाए जाने के बारे में की गई

फास्ट ट्रैक

आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीमों ने उच्च-मूल्य चोरी के मामलों का खुलासा किया, जनता को सुरक्षा का भरोसा दिलाया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

एक बड़ी सफलता में, रेलवे सुरक्षा बल (RPF) और राजकीय रेलवे पुलिस (GRP) की संयुक्त टीमों ने यात्रियों की संपत्ति से संबंधित दो उच्च-मूल्य चोरी के मामलों को सुलझाया है, जिससे रेलवे सुरक्षा में जनता का विश्वास और मजबूत हुआ है। ये मामले ट्रेन क्रमांक 11087 (वेरावल पुणे) और ट्रेन क्रमांक 11049 (अहमदाबाद कोल्हापुर) में यात्रा कर रहे यात्रियों से लगभग 11 तोले सोने के आभूषण (मूल्य लगभग 3,93,000/-) की चोरी से संबंधित हैं। शिकायत प्राप्त होते ही RPF और GRP की एक संयुक्त टास्क फोर्स गठित की गई। प्रारंभिक जांच में कुख्यात संसी गिरोह के सदस्यों पर संदेह हुआ। पुणे, शिवाजीनगर, लसंयुक्त टीम के समन्वित और लगातार प्रयासों से संपूर्ण चोरी गई संपत्ति बरामद कर ली गई और सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। यह सफल अभियान IG/RPF, SrDSC/पुणे और रढ रेलवे पुणे के सक्षम मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। आरपीएफ ने सभी यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान सतर्क रहें और अपने कीमती सामान, विशेष रूप से सोने के आभूषणों, को सुरक्षित रखें। सतर्कता और सावधानी से चोरी जैसी घटनाओं को रोका जा सकता है और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित की जा सकती है।

पुणे में भीषण हादसा, दर्शन के लिए जा रही गाड़ी खाई में पलटी, 7 महिलाओं की मौत

पुणे के खेड़ तालुका में एक भीषण हादसा हुआ है। दर्शन के लिए जा रही महिलाओं का वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में सात महिलाओं की मौत हो गई। वहीं 30 से 35 लोग घायल हो गए। इस हादसे से इलाके में हड़कंप मच गया है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

पुणे : महाराष्ट्र में पुणे जिले के खेड़ तालुका में एक भयानक हादसा हुआ है। कुंडेश्वर में दर्शन के लिए जा रही महिलाओं से भरी एक पिकअप गाड़ी करीब 30 फीट गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में 7 महिला श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 25 से 30 लोग घायल हो गए। यह हादसा खेड़ तालुका के पश्चिमी इलाके में कुंडेश्वर शिव मंदिर के रास्ते में घाट इलाके में हुआ। मौके पर राहत और बचाव का काम शुरू कर दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक, पापलवाड़ी की कुछ महिलाएं दर्शन के लिए कुंडेश्वर जा रही थीं। तभी घाट से गुजरते समय उनकी पिकअप गाड़ी एक घाटी में पलट गई। हादसे में 7 महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि कई महिलाएं घायल हो गईं। उन्हें तुरंत पैठ के ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिक जानकारी के लिए खेड़ पुलिस स्टेशन की ओर से जांच की जा रही है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है।

यह हादसा कैसे हुआ?

खेड़ तालुका में दर्शन के लिए कुंडेश्वर जाते समय महिला श्रद्धालुओं की पिकअप गाड़ी एक घुमावदार मोड़ पर घाट पर चढ़ते समय पलट गई। यह पिकअप 5 से 6 बार पलटने के बाद सड़क किनारे करीब 30 फीट गहरी खाई में गिर गई।

इस पिकअप में करीब 25 से 30 महिलाएं और बच्चे सवार थे। शुरूआती जानकारी के अनुसार, कुछ की हालत गंभीर है और घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गुलशन कुमार की हत्या से दो दिन पहले ही थी मुंबई पुलिस को खबर, पर अंडरवर्ल्ड डॉन अबु सलेम से बचाने में हुए फेल

12 अगस्त 1997 को संगीत उद्योग के गुलशन कुमार की हत्या कर दी गई थी। वह मंदिर से लौट रहे थे तभी उन पर हमला हुआ। राकेश मारिया की किताब में इस हत्याकांड से जुड़े खुलासे किए गए हैं। अबु सलेम ने गुलशन कुमार से रंगदारी मांगी थी। फिरौती न देने पर उनकी हत्या कर दी गई।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई । यह वह दिन था जब दोपहर को अचानक ऐसी खबर आई जिसने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। भारतीय म्यूजिक इंडस्ट्री के 'कैसेट किंग' कहे जाने वाले गायक गुलशन कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। यह हत्या सरेआम दिनदहाड़े की गई। गुलशन कुमार को जब गोली मारी गई, उस समय वह मंदिर से लौट रहे थे। उन्हें 16 गोलियां मारी गई थीं। इस हाई-प्रोफाइल मर्डर केस से जुड़ा एक ऐसा खुलासा सामने आया, जिसने सभी के होश उड़ा दिए। मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर राकेश मारिया ने एक किताब लिखी है। इसका नाम है 'लेट मी से इट नाउ'। इस किताब में राकेश मारिया ने जो खुलासे किए हैं, वह दे चौंकाने वाला है। गुलशन कुमार की हत्या के लिए कोडवर्ड यूज किए गए थे।

पूर्व पुलिस कमिश्नर ने किया खुलासा

पूर्व पुलिस कमिश्नर ने बताया कि उन्हें गुलशन कुमार की हत्या से पहले ही खुफिया सूत्रों से जानकारी मिल चुकी थी। उन्हें पता चला कि विकेट गिरने वाला है। जब उन्होंने अपने खबरी से पूछा कि विकेट कौन गिराने वाला है तो उसने बताया अबू सलेम। यहां 'विकेट गिराने' से मतलब मर्डर को अंजाम देना था। अबु सलेम 90 के दशक का अंडरवर्ल्ड डॉन था। मुंबई में उसे आतंक मचा रखा था। गुलशन कुमार की हत्या का प्लान अबु सलेम के इशारे पर बना था।

दिल्ली में पिता के साथ जूस बेचते थे गुलशन कुमार

गुलशन कुमार का जन्म 5 मई 1956 को दिल्ली के दरियागंज में हुआ था। वह माता वैष्णो देवी और भगवान शिव के परम भक्त थे। गुलशन कुमार के पिता दिल्ली की सड़कों पर जूस बेचते थे। बहुत कम उम्र में ही गुलशन ने अपने पिता के साथ जूस की दुकान पर काम करना शुरू कर दिया था। हालांकि संगीत के प्रति उनके जुनून ने उन्हें एक अलग दिशा दी।

संगीत की दुनिया में लाए भक्ति क्रांति

गुलशन कुमार म्यूजिक इंडस्ट्री में भक्ति गीतों के जरिए एक अलग क्रांति लाए। गुलशन कुमार ने सस्ती कीमत पर कैसेट बेचे। हर घर तक भक्ति संगीत पहुंचाया। उन्होंने टी-सीरीज का साम्राज्य स्थापित किया।

धर्म के खिलाफ किसी की नहीं सुनेंगे, मुंबई में कबूतरखानों पर पाबंदी मामले में जैन समाज पीछे हटने को नहीं तैयार

मुंबई में कबूतरों को दाना डालने पर पाबंदी के खिलाफ आक्रोश बढ़ता जा रहा है। जैन समाज की तरफ से 13 अगस्त से भूख हड़ताल की तैयारी की जा रही है। बीएमसी द्वारा दादर के कबूतरखाना पर तिरपाल डालने को लेकर जैन समुदाय नाराज है। जैन मुनि ने कहा है कि वह धर्म के खिलाफ किसी की नहीं सुनेंगे।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः मुंबई में कबूतरों को दाना डालने पर हाईकोर्ट ने जब से रोक लगाई है तब से बीएमसी एक्शन में है। बीएमसी ने कबूतरों को दाना डालने पर अब तक 142 लोगों पर जुमार्ना लगाकर करीब 68,700 रुपये वसूले हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट ने दाना खिलाने पर लगी रोक को लेकर याचिकाकताओं को कोई राहत नहीं दी थी। इस सब के बीच जैन समाज पांबदी को लेकर पीछे हटने को तैयार नहीं है। अदालती रोक तथा पुलिस और महानगर पालिका की निरंतर चल रही कार्रवाई के बाद भी जैन समुदाय के लोग दादर सहित अन्य कबूतरखानों के आसपास पक्षियों को दाना डालने पहुंच रहे हैं। इनता ही नहीं जैन मुनि नीलेश चंद्र विजय ने चेतावनी दी है कि जरूरत पड़ने पर शस्त्र भी उठाएंगे। उन्होंने कहा है कि धर्म के खिलाफ किसी की नहीं सुनेंगे। भूख हड़ताल की चेतावनीजैन मुनि ने जहां अपने स्टैंड को साफ कर दिया है तो वहीं दूसरी भूख हड़ताल की तैयारी भी हो रही है। जैन मुनि नीलेश चंद्र विजय के अनुसार कबूतरखाना बंद करने के फैसले के खिलाफ जैन समाज 13 तारीख से भूख हड़ताल पर बैठेगा। उन्होंने कहा कि यदि अदालत धर्म के खिलाफ जाएगी तो हम नहीं मानेंगे। इसके साथ-साथ ये चेतावनी भी दी है कि यदि जरूरत पड़ी तो हमारा शांतिप्रिय समाज हथियार भी उठाएगा। मुनि ने यह चेतावनी ऐसे वक्त पर दी है जब यह पूरा मामला बॉम्बे हाईकोर्ट में है। अभी तक कोर्ट ने कबूतर खाने को बंद करने तथा पक्षियों को दाना न डालने के आदेश को बरकरार रखा है।

उल्हासनगर शहर के गड्ढे नहीं भरे तो होगा आंदोलन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

उल्हासनगर - उल्हासनगर शहर के नागरिकों सुविधा के नाम पर सड़कों पर गड्ढे मिले हैं। आलम यह है कि हर तरफ गड्ढे ही गड्ढे दिखाई दे रहा हैं , नागरिक त्रस्त अधिकारी मस्त है। विधायक ने खुद पुलिस प्रशासन को आंदोलन करने के लिए पत्र दिया है। बीजेपी विधायक कुमार अलानी ने कहा है कि उल्हासनगर शहर में बड़ी संख्या में गड्ढे हैं और इन गड्ढों के कारण कई दुर्घटनाएँ हो चुकी हैं और कुछ लोगों की जान भी जा चुकी है। वाहन मालिकों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वाहन मालिकों को गर्दन और पीठ दर्द जैसी कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कई बार इन गड्ढों को भरने की माँग कर चुका हूँ, लेकिन अब तक हमारे नगर निगम के अधिकारियों की ओर से मुझे कोई जवाब नहीं मिल रहा है। उल्हासनगर शहर में भी महत्वपूर्ण त्यौहार आ रहे हैं और बार-बार अनुरोध करने के बाद भी गड्ढे नहीं भरे । मनपा के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किए जाने से नागरिकों में रोष व्याप्त है और गलत संदेश जा रहा है। अब इसके विरोध में यदि 18 अगस्त तक गड्ढे नहीं भरे गए

तो 19 अगस्त को व्यापारियों और नागरिकों के साथ प्रशासन के खिलाफ उल्हासनगर पालिका कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

जगदीप धनखड़ लापता, जान को खतरा बता संजय राउत ने अमित शाह को लिखा लेटर, सुप्रीम कोर्ट में करने जा रहे याचिका

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

संजय राउत ने गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे और उसके बाद से उनके गायब होने पर सवाल उठाए हैं। संजय राउत ने जगदीप धनखड़ की सुरक्षा पर चिंता व्यक्त की है। संजय राउत ने कहा कि उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है।

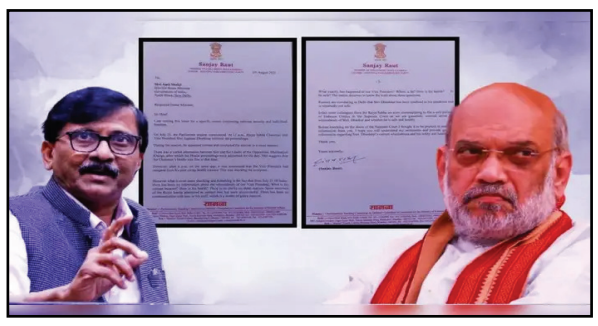

मुंबई : शिवसेना सांसद संजय राउत ने गृह मंत्री अमित शाह को एक लेटर लिखा है। उन्होंने यह खत पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के बारे में लिखा है। संजय राउत ने गृहमंत्री से लेटर में सवाल पूछे हैं और उसके जवाब मांगे हैं। संजय राउत ने पूछा है कि जगदीप धनखड़ कहां हैं और कैसे हैं ? उन्होंने अचानक इस्तीफा क्यों दिया? अचानक ऐसा क्या हुआ कि सदन के बीच उन्होंने इस्तीफा दिया? जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई को अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने इस्तीफे के पीछे वजह अपना स्वास्थ्य बताया था। संजय राउत ने कहा कि यह सच नहीं है। सच्चाई कुछ और है, जो खबरों में नहीं है। उन्होंने अमित शाह से धनखड़ को लेकर सही जानकारी देने को कहा है।

सदन की कार्यवाही के बीच अचानक इस्तीफा क्यों?

संजय राउत ने कहा कि 21 जुलाई की सुबह जगदीप धनखड़ राज्यसभा के मॉनसून सत्र की अध्यक्षता कर रहे थे। उस समय वह सामान्य थे। उससे पहले भी उन्होंने कुछ भी ऐसा नहीं महसूस होने दिया कि वह बीमार हैं या इस्तीफा देना चाहते हैं। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से बातचीत भी की थी। इसके बाद उन्होंने अचानक सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी। उसी दिन शाम को 6 बजे उन्होंने इस्तीफा दे दिया।

कहां हैं जगदीप धनखड़?

शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत ने कहा कि यह चौंकाने वाली बात है। इस्तीफे के बाद से जगदीप धनखड़ गायब हैं। 21 जुलाई से लेकर आज तक उनके ठिकाने के बारे में किसी को कोई जानकारी नहीं है। वह इस समय कहां हैं ? उनकी हेल्थ कैसी है ? इस पर कोई स्पष्टता नहीं है।

खतरे हैं हैं जगदीप धनखड़?

संजय राउत ने कहा कि राज्यसभा के सदस्यों के बार जगदीप धनखड़ से संपर्क करने की कोशिश की लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। दिल्ली में अफवाहें हैं कि पूर्व उपराष्ट्रपति को उनके आवास में कैद कर दिया गया है। वह वहां सुरक्षित नहीं हैं। उन्हें खतरा है।

सुप्रीम कोर्ट जाएंगे संजय राउत

संजय राउत ने कहा कि सांसदों के बार-बार प्रयास के बाद भी जगदीप धनखड़ से संपर्क नहीं हो पा रहा है। हम लोग चिंतित हैं। अब वे सुप्रीम कोर्ट में जगदीप धनखड़ के रिहाई के लिए बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि सुप्रीम कोर्ट जाने से पहले वह यह लेटर अमित शाह को लिख रहे हैं। इस लेटर में संजय राउत ने लिखा, 'सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने से पहले मैंने सोचा कि आपसे यह जानकारी मांगना उचित होगा।'

प्राचीन शिवमंदिर में पार्थिव शिवलिंग महाभिषेक शुरू

- साधु, संत, महात्मा तथा स्थानीय गणमान्य आयोजन में शामिल
- पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे भी कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

उल्हासनगर. श्रावण मास में पार्थिव लिंग बनाकर भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने का शास्त्रों में विशेष महत्व बताया गया है. धर्म शास्त्रों के अनुसार कलयुग में कुष्मांड ऋषि के पुत्र मंडप ने पार्थिव शिवलिंगों की पूजा प्रारंभ की थी. इसी विशेष माहात्म्य को ध्यान रखते हुए अंबरनाथ के प्राचीन शिवमंदिर परिसर में सवा करोड़ पार्थिव शिवलिंगों के अभिषेक का विराट आयोजित किया गया है. सोमवार की सुबह आकर्षक कलश यात्रा से ग्यारह दिवसीय धार्मिक आयोजन की शुरूआत हुई. सोमवार को पहले दिन पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे भी कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे तथा विधिवत पूजा की.

21 अगस्त तक चलेगा धार्मिक कार्यक्रम

सोमवार से शुरू यह आयोजन 21 अगस्त तक चलेगा. यह संपूर्ण प्रक्रिया प्रयागराज से पधारे महायज्ञ के अधिष्ठाता पूज्य बृजेशानंद महाराज के हाथों हो रहा है. महायज्ञ कार्यक्रम के संरक्षक धनंजय बोड़ारे और कार्यक्रम के आयोजक उद्योगपति संजय गुप्ता हैं. पार्थिव शिवलिंगों की पूजा से मानसिक और शारीरिक कष्टों से मुक्ति मिलती है. घर परिवार में धनधान्य और सुख समृद्धि का वास होता है. अकाल मृत्यु का भय दूर होता है. हिंदू धर्म के प्राचीन देवताओं अर्थात त्रिदेव में महेश के रूप में शिवजी को सृष्टि का संहारक देवता के रूप में विशेष महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है. हिंदू मान्यताओं के अनुसार माना जाता है कि सृष्टि का लय और प्रलय दोनों शिवजी के ही हाथों में हैं.

कलश यात्रा में शामिल हुई हजारों महिलाएं

भगवान शिव की पूजा मूर्ति और शिवलिंग दोनों ही रूपों में होती है. भगवान शिव तथा शिवलिंग के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने के लिए स्थानीय पुरातन कालीन शिव मंदिर परिसर में बृजेशानंद महाराज के मार्गदर्शन में यह धार्मिक महोत्सव विशाल स्वरूप से शुरू हुआ, पहले दिन सैकड़ों महिलाओं ने पारंपरिक तौर पर कलश यात्रा में हिस्सा लिया तथा सैकड़ों मान्यवरों की विशेष उपस्थिति में सवा करोड़ पार्थिव शिवलिंगों के निर्माण का पर्व शुरू हुआ. इसके गवाह हजारों लोग हुए. अंबरनाथ तथा उल्हासनगर परिसर में इस तरह का यह पहला अवसर बताया जा रहा है.

इस तरह के भव्य धार्मिक आयोजनों से समृद्धि, वैभव प्राप्त होता है. इस प्रकार के 49 धार्मिक आयोजन देश के विभिन्न राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा में सफलता पूर्वक हो चुके हैं. महाराष्ट्र के अंबरनाथ में होने जा रहा यह आयोजन 50 वां होगा. विश्व कल्याण तथा सनातन धर्म की रक्षा और जनजागृति के लक्ष्य को लेकर यह अनुष्ठान किया जा रहा है. पार्थिव शिवलिंग महाभिषेक कार्यक्रम में शामिल होकर जो भी अपनों हाथों से पार्थिव शिवलिंग बनाता है, धार्मिक मान्यता है कि उसको बनाने वाले लोगों के जीवन में सुख शांति, आती है, सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है तथा आर्थिक संपन्नता भी उनके घर आंगन में आती है.

3 महीने में 200 आदमियों ने किया रेप, मुंबई में रेस्क्यू 12 साल की बांग्लादेशी बच्ची

मुंबई के नालासोपारा में एक दिल दहला देने वाले सेक्स रैकेट का पदार्फाश हुआ है, जिसमें एक 12 साल की बांग्लादेशी बच्ची को बचाया गया। बच्ची ने बताया कि उसे गुजरात के नाडियाड में तीन महीने तक रखा गया, जहाँ उसके साथ 200 से ज्यादा लोगों ने दुष्कर्म किया।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : मानव तस्करी की एक हिला देने वाली घटना सामने आई है। नालासोपारा के पास नाईगांव में एक सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ हुआ। इस रैकेट के खुलासे में एक 12 साल की बच्ची को रेस्क्यू कराया गया। यह बच्ची बांग्लादेशी की है। उसके साथ जो हुआ, वह रोंगटे खड़ा कर देने वाला है। बच्ची ने बताया कि तीन महीने में उसके साथ 200 से ज्यादा लोगों ने गलत काम किया। 12 साल की यह बांग्लादेशी बच्ची 26 जुलाई को रेस्क्यू की गई थी। सेक्स रैकेट चलाने वालों को गिरफ्तार किया गया। यह छापा एक्सोडस रोड इंडिया फाउंडेशन और हार्मनी फाउंडेशन एनजीओ के साथ मिलकर किया गया। मीरा-भायंदर वसई-विरार पुलिस ने इस मामले में अब तक 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है गुजरात के नाडियाड में रखा गया फाउंडेशन के संस्थापक अब्राहम मथाई ने बताया कि रिमांड होम में लड़की की काउंसलिंग की गई। उसके बाद उस बच्ची ने आपबीती बताई तो हर किसी को रोंगटे खड़े हो गए। उसने बताया कि उसे गुजरात के नाडियाड ले जाया गया। वहां उसे तीन महीने रखा गया। इस दौरान 200 से ज्यादा लोगों ने उसके साथ गलत काम किया। फेल होने के बाद घर से भागी अब्राहम मथाई ने बताया कि यह बच्ची स्कूल में पढ़ती थी। वह एक सब्जेक्ट में फेल हो गई थी। वह अपने माता-पिता से डर गई। उसे लगा कि उसके माता-पिता उसे पीटेंगे। वह घर से भाग गई। इस दौरान वह किसी तरह बांग्लादेश से भारत आ गई। यहां उसे कुछ लोग मिले। उन्होंने मदद के नाम पर उसे देह व्यापार के धंधे में धकेल दिया।

पश्चिम रेलवे

पार्सल एसएलआर/वीपी को पट्टे पर देने हेतु अनुबंध के लिये ई-नीलामी

मुंबई मंडल से छूटनेवाली गाड़ियों में पार्सल एसएलआर पट्टे पर देने के अनुबंध हेतु ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है. पुस्तिका पहले ही आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है, विवरण निम्नानुसार हैं :
अनुबंध का प्रकार : पार्सल, श्रेणी : पार्सल एसएलआर, अनुबंध अवधि : 2 वर्ष

1. नीलामी पुस्तिका क्र. : एमएमसीटी-पीएलएस-25-37,

लॉट क्र.	
20941-SLR-R1-BDTS-GCT-25-1	12227-SLR-R1-MMCT-INDB-25-2
20941-SLR-F1-BDTS-GCT-25-1	12953-SLR-R1-MMCT-NZM-25-1
12227-SLR-F1-MMCT-INDB-25-2	19027-SLR-F1-BDTS-JAT-25-1

ई-नीलामी की तिथि एवं समय : लॉट हेतु ई-नीलामी दि. 20.08.2025 को 12.00 बजे आरंभ होगी. आरंभिक कूलिंग अवधि 30 मिनट है.

2. नीलामी पुस्तिका क्र. : एमएमसीटी-पीएलएस-25-38,

लॉट क्र.	
12971-SLR-R1-BDTS-BVC-25-2	12480-SLR-R1 -BDTS-JU-25-2
19011-SLR-F1-BL-DHD-25-2	22965-SLR-R1-BDTS-BGKT-25-2
19011-SLR-R1-BL-DHD-25-2	

ई-नीलामी की तिथि एवं समय : लॉट हेतु ई-नीलामी दि. 21.08.2025 को 12.00 बजे आरंभ होगी. आरंभिक कूलिंग अवधि 30 मिनट है.

3. नीलामी पुस्तिका क्र. : एमएमसीटी-पीएलएस-25-39,

लॉट क्र.	
20925-SLR-F2-ST-AMI-25-2	19003-SLR-R1-DDR-BSL-25-2
09051-SLR-R1-DDR-BSL-25-2	22945-SLR-F1-MMCT-OKHA-25-2
09051-SLR-F1-DDR-BSL-25-2	21901-SLR-F1-BDTS-BME-25-2

ई-नीलामी की तिथि एवं समय : लॉट हेतु ई-नीलामी दि. 22.08.2025 को 12.00 बजे आरंभ होगी. आरंभिक कूलिंग अवधि 30 मिनट है.

4. नीलामी पुस्तिका क्र. : एमएमसीटी-पीएलएस-25-39,

लॉट क्र.	
20925-SLR-R1-ST-AMI-25-1	20933-SLR-R1-UDN-DNR-25-1

ई-नीलामी की तिथि एवं समय : लॉट हेतु ई-नीलामी दि. 23.08.2025 को 12.00 बजे आरंभ होगी. आरंभिक कूलिंग अवधि 30 मिनट है.

टिप्पणी: संभावी बोलीकर्ताओं से अनुरोध है कि वे आईआरईपीएस वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल का अवलोकन करें. 0481

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

ज़िला परिषद का 'हर घर तिरंगा - हर घर स्वच्छता' अभियान शुरू

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ज़िले में ₹हर घर तिरंगा - हर घर स्वच्छता₹ नामक एक विशेष पहल शुरू की गई है। 'स्वतंत्रता दिवस, स्वच्छता एक उत्सव है' टैगलाइन के तहत, यह पहल संस्कृति मंत्रालय, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग और राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन के सहयोग से 15 अगस्त तक लागू रहेगी। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे और परियोजना निदेशक पंडित राठौड़ ने नागरिकों से इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की। इस अभियान में सार्वजनिक स्थानों, पानी की टंकियों, जलापूर्ति सुविधाओं और स्वच्छता सुविधाओं के सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। छात्र और युवा गाँवों में स्वच्छता रैलियाँ निकालेंगे और घर-घर रंगोली और सजावट करके स्वच्छता का संदेश फैलाया जाएगा। अभियान के उद्देश्य जनभागीदारी के माध्यम से राष्ट्रीय गौरव और स्वच्छता की भावना को बढ़ावा देना। सतत जल आपूर्ति, स्वच्छता और स्वास्थ्य के लिए आवश्यक गतिविधियों का क्रियान्वयन। नागरिकों और विद्यार्थियों से 'स्वच्छ सुजल गाँव' की शपथ दिलाना आदि हैं। इसके तहत

12 अगस्त को जल जीवन मिशन के अंतर्गत पानी की टंकियों, नलों और पंप हाउसों की सफाई एवं सौंदर्यीकरण।

13 अगस्त को अपशिष्ट प्रबंधन, शौचालय रखरखाव, जल संरक्षण और प्लास्टिक से बचाव के बारे में जागरूकता।

14 अगस्त को गाँव में सार्वजनिक स्थानों की अंतिम सफाई और सजावट। 15 अगस्तः स्वच्छता अभियान के चैंपियन और स्वयंसेवक आदि के कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इस दौरान नालियों की सफाई, सीवेज प्रबंधन, जल रिसाव का पता लगाना और उसे रोकना, सार्वजनिक शौचालयों, ठोस अपशिष्ट और प्लास्टिक प्रबंधन केंद्रों की सफाई जैसी गतिविधियाँ की जाएँगी।

राष्ट्रवादी कांग्रेस-शरदचंद्र पवार पार्टी ने चुनाव आयोग का प्रतीक चिन्ह जलाकर जश्न मनाया

चुनाव आयोग ने देश के लोकतंत्र को बर्बाद कर दिया - डॉ. जितेंद्र आव्हाड

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , राष्ट्रवादी कांग्रेस-शरदचंद्र पवार पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. जितेंद्र आव्हाड ने ठाणे में चुनाव आयोग के प्रतीक चिन्ह का होली उत्सव मनाया। चुनाव आयोग ने देश के लोकतंत्र को बर्बाद कर दिया है। डॉ. जितेंद्र आव्हाड ने आरोप लगाया कि भाजपा द्वारा नियुक्त मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने पहले पार्टी के चोरों को अपने संरक्षण में लिया ,फिर वोट चुराए। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने साबित कर दिया कि सत्तारूढ़ दल ने लोकसभा चुनाव में चुनाव आयोग की मदद से वोट चुराए थे। इसके अलावा, राहुल गांधी ने आज नई दिल्ली में शरद पवार, मल्लिकार्जुन खड़गे और सभी विपक्षी दलों के साथ विरोध प्रदर्शन किया। इन सभी प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इसी के तहत आज ठाणे में यह विरोध प्रदर्शन किया गया राष्ट्रवादी कांग्रेस -शरदचंद्र पवार पार्टी के कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर प्रदर्शनकारियों ने ₹चुनाव आयोग चोर है; वोट चोर... गद्दी छोड़ो; पहले गोरों से लड़े... अब चोरों से लड़ेंगे, मुदार्बाद, चुनाव आयोग मुदार्बाद₹ जैसे नारे लगाए। उन्होंने चुनाव आयोग का प्रतीक चिन्ह भी जलाया। इस अवसर पर डॉ. जितेंद्र आव्हाड ने चुनाव आयोग पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा, ₹हम संविधान की रक्षा के लिए सड़कों पर उतरे हैं। 85 वर्षीय शरद पवार और मल्लिकार्जुन खड़गे आज सड़कों पर उतरे हैं। उनकी लड़ाई लोकतंत्र की रक्षा के लिए है। चुनाव आयोग ने दिखाया है कि एक ही घर में विभिन्न जातियों और धर्मों के 80 लोग रहते हैं। एक व्यक्ति को 43 बच्चों का पिता दिखाया गया है। क्या यह संभव है? सर्वोच्च न्यायालय ने आदेश दिया था कि चुनाव आयुक्त की नियुक्ति करते समय मुख्य न्यायाधीश, प्रधानमंत्री और विपक्षी दल के नेता की एक समिति होनी चाहिए। हालाँकि, सत्तारूढ़ दल ने मुख्य न्यायाधीश को हटा दिया। इसीलिए राजीव कुमार आयुक्त बने और उन्होंने महाराष्ट्र में सरकार बदल दी और पार्टी चोरों को अपने अधीन कर लिया।₹ लोकसभा चुनाव में लाखों फर्जी मतदाता दिखाकर मतदान के अंतिम घंटे में 15% तक वोट बढ़ा दिए गए। इतना प्रतिशत बढ़ाकर वोट चोरी की गई है। इस अवसर पर शहर अध्यक्ष सुहास देसाई, कार्यकारी अध्यक्ष प्रकाश पाटिल, महिला अध्यक्ष सुजाताताई घाग, महिला कार्यकारी अध्यक्ष साबिया मेमन, फोटो सिंह, फोटो सिंह, गजानन चौधरी, राजू शिंदे, राजेश साटम, राजेश कदम, रचना वैद्य, माधुरी सोनार, कैलास सुरकर, पद्माकर पाटिल, सीमाताई, मनीषा करलाड, अभिजीत पवार, मिलिंद बनकर, ज्ञानेश्वर राजपंखे, राजू पाटिल, कुलविंदर सिंह सोखी, सुरेंद्र यादव, वैभव खोत, अनिल राजभर, दिलीप लोखंडे, दिगंबर गरुड़, डॉ. सुभाष यादव, संतोष साटम, सुनील कुरहाड़े, सुनील सोनार, वसीम खान, अविनाश खंडारे, विक्रांत घाग, मलिका पिल्ले, मेहरबानो पटेल, इकबाल शेख, जतिन कोठारे, एकनाथ जाधव, संदीप यादव, रिंकू सिंह, राजू चपले, विजयलक्ष्मी दामले, प्रमोद येरुंकर, शिवा कालू सिंह, विजय पवार, विक्रम सिंह, संजीव दत्ता, संदीप ढकोलिया, दत्तात्रेय जाधव, प्रभाकर सावंत, सुजाता गवली, सीमा कदम, कल्पना नार्वेकर, राजेश मिश्रा, प्रदीप सातम, किरण पवार, समाधान माने, दीपक क्षत्रिय, ज्योति निंबार्गी, दिलीप उपाडे, समीर नेटके, अनिकेत करमाले, मकसूद खान आदि उपस्थित थे।

फास्ट ट्रैक

नाबालिग से छेड़छाड़ और मारपीट का मामला

शाहजहांपुर में दो आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज

शाहजहांपुर, जनपद के गढ़िया रंगीन थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ और मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर दो आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता की शिकायत के अनुसार, वह अपने घर के बाहर थी। इसी दौरान मोहल्ले के कासिम और शमशाद नामक दो युवक वहां पहुंचे और उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगे। जब लड़की ने विरोध किया तो दोनों ने उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी भी दी।

घटना की सूचना मिलते ही पीड़िता के परिजनों ने पुलिस को जानकारी दी। थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और पीड़िता का बयान दर्ज किया। इसके बाद नामजद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई। पुलिस के अनुसार, आरोपियों की तलाश की जा रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि विवेचना के आधार पर कार्रवाई की जा रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। पीड़िता पुलिस अधीक्षक से मिलने पहुंची। लेकिन उनकी अनुपस्थिति में उसने पीआरओ से मुलाकात की। पीआरओ ने गढ़िया रंगीन थाना प्रभारी से दूरभाष पर मामले की जानकारी ली। थाना प्रभारी ने बताया कि यह विधिक अपराध मामला है और विवेचक के विवेक पर कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा ने भ्रष्टाचार और शहर की खस्ताहाल व्यवस्था के विरोध में जन आक्रोश मोर्चा द्वारा किया जोरदार शक्ति प्रदर्शन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. भारतीय जनता पार्टी अंबरनाथ शहर इकाई ने सोमवार 11 अगस्त को नगरपालिका प्रशासन की निष्क्रियता, शहर में कंक्रीटीकरण और स्ट्रीट लाइटों में हुए भ्रष्टाचार, अधूरी और खस्ताहाल सड़कों से नागरिकों को होने वाली दिक्कतों के विरोध में, सड़कों पर फैले अंधकार से बढ़ते अपराधों की संख्या से और अंबरनाथ वासियों की मूलभूत समस्याओं को लेकर नगरपालिका प्रशासन और मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड की निष्क्रियता के विरोध में अंबरनाथ पूर्व स्थित शिवाजी महाराज चौक से लेकर नगरपालिका भवन तक एक विशाल जन आक्रोश मोर्चा निकालकर अपना आक्रोश जोरदार ढंग से व्यक्त किया। नपा मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड के उपस्थित न होने के कारण पार्टी ने अपना ज्ञापन उपमुख्यधिकारी को सौंपा। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व नगराध्यक्ष गुलाबराव करुंजले पाटिल ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि देश और प्रदेश में भाजपा की सत्ता है लेकिन अंबरनाथ नगरपालिका में चल रहे गोलमाल, दोषपूर्ण कार्यप्रणाली और भ्रष्टाचार के विरोध में यह जन आक्रोश मोर्चा निकाला गया है। उन्होंने कहा कि अंबरनाथ नगरपालिका में अधिकारी और कर्मचारी ठेकेदारों के साथ सांठ गांठ करके काम न करते हुए फर्जी बिलों के आधार पर भ्रष्ट्राचार कर रहे हैं। जनता के पैसों का दुरुपयोग किया जा रहा है। शहर में सड़कों, स्ट्रीट लाइटों, शौचालयों, बिजली पानी आदि मूलभूत सुविधाओं के लिए जनता परेशान है। उन्होंने बदहाल शौचालयों और भाजी मार्किट का मुद्दा जोरदार ढंग से उठाया। उन्होंने मुख्याधिकारी को सीधे चुनौती देते हुए बदहाल शौचालयों का इस्तेमाल करने की चुनौती दी। शहर में 1972 में निर्मित भाजीमार्केट अपनी दुर्व्यवस्था में है उसका पुनर्निमाण भी होना चाहिए। भाजी मार्किट की जर्जर दुकानों से जनहानि की भी संभावना है। शहर की सड़कों पर खड्डे ही खड्डे है। गणेशोत्सव का महापर्व शीघ्र ही आने वाला है और सड़कों की खस्ताहालत देखकर अफसोस होता है। पार्टी ने एक महीने का अल्टीमेटम दिया है कि व्यवस्थाओं को समय रहते दुरुस्त किया जाए नहीं तो एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा जिसकी जिम्मेदारी मुख्याधिकारी की होगी। नगरपालिका भवन के मुख्य गेट और भवन के अंदर भाजपा नेताओं और कार्यकताओं द्वारा जोरदार नारेबाजी की गई और मुख्याधिकारी के प्रतीकात्मक पुतले पर जोरदार आघात करके अपने आक्रोश को इस आक्रोश रैली के माध्यम से निकाला गया। इस जन आक्रोश मोर्चा के पार्टी के सभी बड़े नेता शशिकांत कांबले, नंदू परब, अभिजीत करुंजले पाटिल, विश्वजीत करंजुले पाटिल, प्रजेश तेलगे, लक्ष्मण पंत, सुजाता भोईर आदि और पार्टी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस पूरे प्रदर्शन में पुलिस की चाक चौबंद व्यवस्था रही।

उल्हासनगर में बदहाल सड़कों को लेकर आमदार कुमार आयलानी और मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले आमने-सामने।

आमदार कुमार आयलानी व जिलाध्यक्ष राजेश वधारिया ने दिया मनपा आयुक्त को अल्टीमेटम।

18 अगस्त तक शहर के गड्ढे नहीं भरे गए तो 19 अगस्त को मनपा पर आंदोलन और धरना प्रदर्शन।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

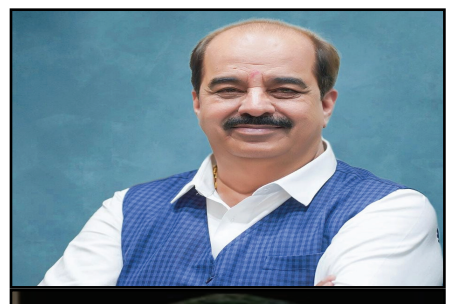

मनपा आयुक्त की दालान के बाहर 19 अगस्त को आमदार कुमार आयलानी, जिलाध्यक्ष राजेश वधारिया के नेतृत्व में उल्हासनगर भाजपा द्वारा तीव्र आंदोलन किया जाएगा और इस आंदोलन की जिम्मेदार केवल मनपा आयुक्त होंगी जो अब तक खड्डों को लेकर पूरी तरह विफल साबित हुई हैं। आमदार कुमार आयलानी ने कहा कि हम चाहते हैं कि उल्हासनगर की सड़कें डामर मुक्त हो यानी सभी सड़कें कंक्रीट की हों और इसके लिए हम प्रयासरत हैं।

उल्हासनगर. उल्हासनगर में चारों ओर सड़कों के नाम पर गड्ढों में हिचकोले खा रही जनता और इस कारण आए दिन हो रही दुर्घटनाओं के विरोध में स्थानीय भाजपा आमदार कुमार आयलानी और भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश वधारिया ने मनपा आयुक्त और मनपा प्रशासन को 18 अगस्त तक शहर को गड्ढ़ामुक्त करने का अल्टीमेटम दिया। यदि ऐसा नहीं किया गया तो 19 अगस्त को मनपा पर जोरदार धरना प्रदर्शन और आंदोलन करने की चुनौती दी है। शहर में जर्जर सड़कों की समस्या ने एक विकराल रूप धारण किया हुआ है। स्थानीय आमदार कुमार आयलानी द्वारा विगत अप्रैल महीने से निरंतर शहर की सड़कों को दुरुस्त करने के लिए मनपा आयुक्त से पत्र व्यवहार किया जा रहा है और व्यक्तिगत रूप से भी आयुक्त मनीषा आव्हाले से मुलाकात की गई। इसके बावजूद भी उनके द्वारा सड़कों के मुद्दे पर गंभीरता नही दिखाई जा रही है और केवल हवा हवाई आश्वासन दिए जा रहे हैं जो जमीन पर अभी तक नहीं उतरे।इससे त्रस्त होकर आमदार कुमार आयलानी और अध्यक्ष राजेश वधारिया ने 11 अगस्त को मनपा आयुक्त को अंतिम चेतावनी देते हुए एक निवेदन पत्र दिया है कि अगले सात दिनों के भीतर यदि शहर की सड़कों को खड्डामुक्त नही किया गया तो

कटरा में व्यक्ति की संदिग्ध मौत

परिजनों ने दो लोगों पर लगाया हत्या का आरोप, पुलिस और फॉरेंसिक टीम जांच में जुटी

शाहजहांपुर, जनपद के मीरानपुर कटरा नगर क्षेत्र में एक व्यक्ति की मौत के मामले में नया मोड़ आ गया है। मृतक चंद्रपाल कश्यप के परिवार ने मोहल्ले के ही दो लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। मुहल्ला तहबरगंज निवासी चंद्रपाल कश्यप की मौत के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का आरोप है कि मामूली कहासुनी के बाद आरोपियों ने लात-घूंसों से मारपीट कर चंद्रपाल की हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फॉरेंसिक विभाग की टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक जुगल किशोर पाल ने बताया कि मामले में तहरीर मिलने के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। परिवार वालों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

जिला परिषद, ठाणे में 'सत्यमेव जयते किसान कप' मार्गदर्शन कार्यशाला

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , पानी फाउंडेशन के मुख्य मार्गदर्शक डॉ. अविनाश पोल के मार्गदर्शन में जिला परिषद, ठाणे में 'सत्यमेव जयते किसान कप' प्रतियोगिता पर एक सूचना एवं मार्गदर्शन कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला 11 अगस्त, 2025 को दोपहर 12 बजे समिति हॉल, जिला परिषद कार्यालय, ठाणे में आयोजित की गई। सत्यमेव जयते किसान कप प्रतियोगिता₹ शुरू करने का उद्देश्य किसानों को उत्पादन और आय बढ़ाकर टिकाऊ और प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना और साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना है। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे ने मार्गदर्शन करते हुए कहा कि यह प्रतियोगिता पूरे महाराष्ट्र में आयोजित की जा रही है और प्रशासन ठाणे जिले में इसे सफल बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेगा। ठाणे जिला परिषद के पूर्व अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी नामदेव नानावरे, परियोजना निदेशक छायादेवी शिसोदे, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (एस.पी.) अविनाश फड़तारे, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (ग्राम पंचायत) प्रमोद काले, जिला अधीक्षक कृषि अधिकारी रामेश्वर पाचे, कृषि विकास अधिकारी एम.एम. बछोटिकर, संभागीय समन्वयक (पानी फाउंडेशन) विक्रम फाटक, सभी समूह विकास अधिकारी, सभी तालुका कृषि अधिकारी, जिला और तालुका अभियान प्रबंधक, उप अभियंता (ग्राम पंचायत) और पंचायत समिति के संबंधित अधिकारी कार्यशाला में उपस्थित थे। डॉ. अविनाश पोल ने कार्यशाला के बारे में विस्तृत जानकारी दी। 'सत्यमेव जयते किसान कप प्रतियोगिता' के उद्देश्य, भागीदारी पद्धति, लाभ और पुरस्कारों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने, प्राकृतिक संसाधनों के समुचित उपयोग, उत्पादन में वृद्धि, लाभ में वृद्धि और जैविक खेती की दिशा में सकारात्मक बदलाव पर जोर दिया। प्रत्येक तालुका से 100 किसानों को तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले किसान समूहों और महिला किसान समूहों को राज्य स्तरीय और तालुका स्तरीय पुरस्कार दिए जाएँगे। कार्यशाला का आयोजन जिला परिषद ठाणे द्वारा सफलतापूर्वक किया गया और उपस्थित सभी अधिकारियों ने प्रतियोगिता में अधिक से अधिक किसान समूहों की भागीदारी सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया।

ठाणे मनपा में ग्रुप 'सी' और 'डी' के 1773 पदों पर भर्ती

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , ठाणे मनपा स्थापना में ग्रुप 'सी' और ग्रुप 'डी' के रिक्त पदों को सीधी भर्ती के माध्यम से भरने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रशासनिक सेवाओं, लेखा सेवाओं, तकनीकी सेवाओं, अग्निशमन सेवाओं, शिक्षा सेवाओं, लोक स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सा सेवाओं, पैरामेडिकल सेवाओं आदि में कुल 1773 पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों के लिए आवेदन 12 अगस्त, 2025 से 2 सितंबर, 2025 तक केवल ऑनलाइन किए जा सकेंगे। इसका लिंक ठाणे मनपा की वेबसाइट www. thanecity. gov.in पर उपलब्ध करा दिया गया है। यह भर्ती प्रक्रिया मनपा आयुक्त सौरभ राव के निदेर्शानुसार आयोजित की गई है। भर्ती प्रक्रिया में तुलनात्मक प्रतिस्पर्धा के लिए पर्याप्त उम्मीदवारों का होना आवश्यक है। इसलिए, इस भर्ती से संबंधित विज्ञापन मीडिया में भी प्रकाशित किया गया है। ग्रुप-'सी' और ग्रुप-'डी' के कुल 1773 पदों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 12 अगस्त, 2025 से 02 सितंबर, 2025 तक है। शैक्षणिक योग्यता और अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने वाले पात्र और इच्छुक उम्मीदवारों को 02 सितंबर, 2025 तक ठाणे मनपा की आधिकारिक वेबसाइट www.thanecity.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इन पदों पर भर्ती (कुल पद 1773) में सहायक लाइसेंस निरीक्षक, क्लर्क और टाइपिस्ट, क्लर्क लेखा, कनिष्ठ अभियंता - 1 (सिविल), कनिष्ठ अभियंता - 1 (मैकेनिकल/ऑटो), कनिष्ठ अभियंता - 1 (विद्युत), कनिष्ठ अभियंता - 2, प्रदूषण निरीक्षक, सहायक अग्निशमन केंद्र अधिकारी, चालक-इंजीनियर, फायरमैन, स्पीच थेरेपिस्ट (जिद स्कूल), मनोचिकित्सक (जिद स्कूल), नर्स (जिद स्कूल), विशेष शिक्षक (ऑस्टियोपैथ), स्वच्छता निरीक्षक, आहार विशेषज्ञ, बायोमेडिकल इंजीनियर, फिजियोथेरेपिस्ट, मनोचिकित्सक परामर्शदाता, पब्लिक हेल्थ नर्स (पीएचएन), मेडिकल सोशल वर्कर, एक्स-रे तकनीशियन, नर्स मिडवाइफ / नर्स / स्टाफ नर्स, मैमोग्राफी तकनीशियन, एंडोस्कोपी तकनीशियन, ऑडियोमेट्री तकनीशियन, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, सी.टी. स्कैन तकनीशियन, एम.एन. तकनीशियन, अल्ट्रा सोनोग्राफी / सी.टी. स्कैन तकनीशियन, ई.सी.जी. तकनीशियन, ब्लड बैंक तकनीकी पर्यवेक्षक, ब्लड बैंक तकनीशियन, स्पीच थेरेपिस्ट, बाल मनोवैज्ञानिक, प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक तकनीशियन, ई.ई.जी. तकनीशियन, मेडिकल रिकॉर्ड अधिकारी, भौतिक विज्ञानी, संग्रहालय के क्यूरेटर, फार्मास्युटिकल अधिकारी, व्यावसायिक चिकित्सक, पल्मोनरी लैब तकनीशियन, नेत्र सहायक, उप पुस्तकालयाध्यक्ष, पुस्तकालय सहायक, कलाकार, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, सहायक एक्स-रे तकनीशियन, बहुउद्देशीय कार्यकर्ता, सांख्यिकीविद्। ऑडियोविजुअल तकनीशियन, सहायक प्रयोगशाला तकनीशियन, मेडिकल रिकॉर्ड कीपर, दाई, कनिष्ठ तकनीशियन, कुष्ठ रोग सहायक, शल्य चिकित्सा सहायक, वार्ड बॉय, अस्पताल आया, प्रयोगशाला परिचारक, पोस्टमार्टम परिचारक, शवगृह परिचारक, परिचारक, नाई आदि पदों पर भर्ती की जाएगी। विस्तृत जानकारी मनपा की वेबसाइट पर उपलब्ध

ऑनलाइन आवेदन करने का तरीका/विवरण इसके अलावा, ऑनलाइन आवेदन करने के लिए ठाणे मनपा की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएँ। साथ ही, भरे जाने वाले पदों की श्रेणीवार जानकारी, पदों का विवरण, वेतनमान, आयु सीमा/आयु में छूट, चयन विधि, सामान्य निर्देश, नियम व शर्तें, शैक्षणिक योग्यता, सामाजिक एवं समानांतर आरक्षण के साथ-साथ आरक्षण संबंधी प्रावधान, पदवार ऑनलाइन परीक्षा शुल्क, आवेदन भरने के दिशानिर्देश आदि ठाणे मनपा की आधिकारिक वेबसाइट www. thanecity.gov.in पर देखे जा सकते हैं।जानकारी संबंधी पूछताछ के लिए हेल्पलाइन नंबर 022-25415499 कार्यालयीन कार्यदिवसों में सोमवार से शुक्रवार सुबह 10:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक खुला रहेगा। इसी प्रकार, tmcrecruitment 2025@gmail.comपर ईमेल भी भेजा जा सकता है। इसके साथ ही, आवेदन पत्र भरने, परीक्षा शुल्क और प्रवेश पत्र संबंधी किसी भी तकनीकी समस्या के लिए मनपा ने हेल्पलाइन नंबर 022-61087520 उपलब्ध कराया है।

मेक इन इंडिया और स्टार्टअप को बढ़ावा

सांसद अरुण सागर ने लिखा पत्र, मंत्री पीयूष गोयल ने दिए कार्रवाई के निर्देश

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, सांसद अरुण सागर ने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने शाहजहांपुर में मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने की मांग की है। मंत्री ने इस पत्र का संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सांसद ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2014 को लाल किले से मेक इन इंडिया का मंत्र दिया था। इस पहल का उद्देश्य भारत को वैश्विक निर्माण का केंद्र बनाना और आयात को कम करके निर्यात को बढ़ावा देना था। मेक इन इंडिया के प्रभाव को दशार्ते हुए सांसद ने कुछ आंकड़े साझा किए। 2014 में देश में केवल दो मोबाइल निर्माण इकाइयां थीं। आज यह संख्या बढ़कर 200 से अधिक हो गई है। यह 7500 प्रतिशत की वृद्धि है। वर्तमान में भारत में उपयोग होने वाले 99 प्रतिशत मोबाइल फोन देश में ही बनते हैं। इस योजना का प्रभाव मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग के अलावा स्टील उद्योग, सेमीकंडक्टर निर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा और रक्षा उत्पादन निर्यात जैसे क्षेत्रों में भी देखा जा सकता है। सांसद के अनुसार मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया से देश में रोजगार के अवसर बढ़े हैं।

20 घंटे बाद मिला बाढ़ में डूबी मासूम का शव

500 मीटर दूर गन्ने के खेत में मिली बॉडी, परिवार के साथ बह गई थी बच्ची

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, मिर्जापुर थाना क्षेत्र के गुटेटी उत्तर गांव के पास गंगा नदी की बाढ़ में डूबी 4 साल की मासूम बच्ची काजू का शव 20 घंटे की तलाश के बाद बरामद हुआ। शव घटनास्थल से लगभग 500 मीटर दूर गन्ने के खेत में मिला। बह गया था पूरा परिवार रविवार दोपहर करीब तीन बजे काजू अपने पिता पाल सिंह, मां रोली और बड़ी बहन संगीता के साथ अपने ननिहाल पहाड़पुर से वापस लौट रही थी। परिवार के चारो लोग एक ही बाइक पर सवार थे। लौटते समय जलालाबाद-शमशाबाद मार्ग पर गुटेटी उत्तर गांव के समीप बनी डिपर पर गंगा नदी में आई बाढ़ के तेज बहाव में उनकी बाइक बह गई। मां की डूबने से हो गई थी मौत इस हादसे में काजू और उसकी मां रोली की डूबकर मौत हो गई। पिता पाल सिंह और बहन संगीता को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था। पुलिस ने रोली के शव को रविवार को ही पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। घटना के बाद पुलिस और गोताखोरों की टीम बच्ची काजू के शव को खोज रही थी। 20 घंटे की तलाश के बाद मिला काजू का शव लगभग 20 घंटे की तलाश के बाद गोताखोर को काजू का शव घटनास्थल से 500 मीटर दूर गन्ने के खेत में लगे तार में फंसा मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। काजू के पिता पाल सिंह ने बताया कि वह अपनी पत्नी और दोनों बेटियों के साथ बाइक से ससुराल से होकर कासगंज जिले के गांव चौकी अपने घर जा रहे थे। अचानक डिप पर पानी के तेज बहाव में बाइक बह गई। इस हादसे में उनकी पत्नी और बेटी काजू की मौत हो गई। उन्होंने बेटी को बचाने की कोशिश की लेकिन वह असफल रहे।

तहसीलदार सृजित कुमार ने बताया कि बच्ची का शव मिल गया है और पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

तिरंगा यात्रा में उमड़ा देशभक्ति का सैलाब

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

जलालाबाद, जलालाबाद शाहजहांपुर में भाजपा कार्यकताओं द्वारा देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा ग्रामीण क्षेत्र के महाराणा प्रताप चौक याकूबपुर चौराहे से प्रारंभ हुई और कोला मोड होते हुए वापस महाराणा प्रताप चौक पर संपन्न हुई। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य देशभक्ति का संदेश प्रसारित करना और ऑपरेशन सिंदूर के वीरों को श्रद्धांजलि देना था। भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष विनोद अग्निहोत्री के नेतृत्व में निकाली गई इस यात्रा में मुख्य अतिथि विनय शर्मा और अभिषेक सिंह ठिगरी ने भारत माता के उदघोष के साथ शुभारंभ किया। तिरंगा यात्रा में महिला मोर्चा की सदस्याएं, भाजपा के पदाधिकारी, ग्रामीण क्षेत्र व नगर के कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। यात्रा की व्यवस्था को सफल बनाने में भाजपा महामंत्री अजय सिंह चंदेल का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में पूर्व ग्रामीण मंडल अध्यक्ष जितेंद्र प्रताप सिंह, देवेश पांडे, दिनेश सिंह राठौड़, केशव मिश्रा, गौरव प्रताप राघव, महिला मोर्चा से सुनीता, रोशनी सिंह, प्रीती देवी, रूबी देवी, अर्चना देवी, गुड्डी देवी, ऊषा देवी और निवर्तमान विधायक शरदवीर सिंह सहित अन्य कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

भारत बोला- परमाणु धमकी पाकिस्तान की आदत

हमें सुरक्षा करना आता है; आसिम मुनीर ने कहा था- सिंधु पर बांध बना तो मिसाइल मारेंगे

एजेंसी

टेक्सास, भारत ने सोमवार को पाकिस्तानी आर्मी चीफ आसिम मुनीर की परमाणु धमकी का जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय ने कहा- परमाणु हथियार की धमकी देना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। भारत न्यूक्लियर ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा। हमें अपनी सुरक्षा करना आता है। किसी मित्र देश की धरती से की गई ये टिप्पणी खेदजनक है। दुनिया देख सकती है कि ऐसे बयान कितने गैरजिम्मेदाराना हैं। ये बातें उस देश पर भी शक पैदा करती हैं, जहां परमाणु हथियारों का सुरक्षित होना तय नहीं है और सेना का आतंकियों से संबंध माना जाता है। दरअसल, मुनीर इस वक्त अमेरिका के दौरे पर हैं। द प्रिंट की रिपोर्ट के मुताबिक रविवार को एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा था कि हम भारत में सिंधु नदी पर डैम बनने का इंतजार करेंगे, और भारत जब ऐसा कर लेगा तो फिर 10 मिसाइल मारकर उसे गिरा देंगे। मुनीर ने कहा कि सिंधु नदी

भारत की फैमिली प्रॉपर्टी नहीं है, हमारे पास मिसाइलों की कमी नहीं है। आसिम मुनीर ने कहा था, 'भारत के सिंधु जल समझौता रद्द करने के फैसले से 25 करोड़ लोगों के लिए भुखमरी का खतरा पैदा हो सकता है।' उन्होंने कहा, 'हम एक परमाणु संपन्न राष्ट्र हैं और अगर हमें लगता है कि हम डूब रहे हैं, तो हम आधी दुनिया को अपने साथ ले जाएंगे।' आसिम मुनीर ने ये धमकी, टाम्पा के ग्रैंड हयात होटल में पाकिस्तान मूल के कारोबारी अदनान असद की तरफ से रखे गये एक डिनर कार्यक्रम में दी है, जिसमें करीब 120 पाकिस्तानी डायस्पोरा के सदस्य मौजूद थे। फील्ड मार्शल मुनीर अमेरिका की मध्य कमान के कमांडर जनरल माइकल कुरिल्ला के सेवानिवृत्ति समारोह में शामिल होने फ्लोरिडा आए थे। इस समारोह में इजराइल के रक्षा बलों का एक प्रतिनिधि भी मौजूद था। यह दो महीने में उनकी अमेरिका की दूसरी यात्रा है। इससे पहले वे 14 जून को वॉशिंगटन डीसी में अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ के जश्न में शामिल हुए थे। इसके अलावा मुनीर ने राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ व्हाइट हाउस में दो घंटे की लंच मीटिंग की थी। यह बैठक बंद कमरे में हुई थी। यह पहली बार था जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ की मेजबानी की। मुनीर ने भारत-अमेरिका के बीच हाल के टैरिफ तनाव पर मजाक उड़ाते हुए कहा कि पाकिस्तान को विश्व शक्तियों के बीच संतुलन बनाने की मास्टर-क्लास देनी चाहिए। मुनीर ने कहा कि पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को नोबेल पुरस्कार के लिए नामित किया, क्योंकि हम अच्छे काम की तारीफ करते हैं। पाकिस्तान सरकार ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को 2026 के नोबेल पीस प्राइज के लिए नॉमिनेट किया था। पाकिस्तान का कहना है कि भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान ट्रम्प की कूटनीतिक पहल और मध्यस्थता ने एक बड़े युद्ध को टालने में मदद की। पाकिस्तानी सरकार ने अपने ऑफिशियल स्टेटमेंट में कहा था कि ट्रम्प ने नई दिल्ली और इस्लामाबाद दोनों से बात कर संघर्षविराम में अहम भूमिका निभाई। इससे दो न्यूक्लियर ताकत वाले देशों के बीच युद्ध की आशंका टल गई।

श्रीलंकाई सांसद बोले-भारत का मजाक मत उड़ाओ, वो हमारा दोस्त

हमारे मुश्किल में उसने मदद की; ट्रम्प के टैरिफ के खिलाफ भारत का समर्थन किया

एजेंसी

जयवर्धनेपुरा कोट्टे, श्रीलंका के सांसद हर्षा डी सिल्वा ने 50% टैरिफ लगाए जाने के बाद भारत का समर्थन किया है। व्यापार मुद्दे पर भारत-अमेरिका में बढ़े तनाव पर बहस के दौरान श्रीलंका की संसद में हर्षा ने कहा कि हमारी सरकार भारत के साथ खड़े होने की बजाय मजाक कर रही है। हर्षा ने कहा- 'भारत का मजाक मत उड़ाओ। जब हम मुश्किल में थे, तब केवल भारत ने हमारी मदद की थी। अभी खेल खत्म नहीं हुआ है। भारत को उम्मीद थी कि टैरिफ 15% तक कम होगा, और हमें भी यही उम्मीद थी।' उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी बात दोहराते हुए

लिखा, 'मैंने सरकार को भारत का मजाक उड़ाने के लिए लताड़ा। भारत हमारा सच्चा दोस्त है, जिसने हमारे सबसे कठिन समय में हमारा साथ दिया। हमें उनके संघर्ष का सम्मान करना चाहिए, न कि उसका मजाक उड़ाना चाहिए। भारत का साहस पूरे एशिया को प्रेरित करता है।' श्रीलंका 2022 में खराब आर्थिक संकट से जूझ रहा था। श्रीलंका के पास विदेशी मुद्रा खत्म हो गई थी, जिसके कारण वह जरूरी सामान जैसे ईंधन, दवाइयां, और खाना आयात नहीं कर पा रहा था। इस दौरान भारत ने श्रीलंका का साथ दिया था। भारत ने श्रीलंका को लगभग 5 अरब डॉलर की आर्थिक मदद दी, जिसमें 3.3 टन चिकित्सा सामग्री जैसे दवाइयां और जरूरी मेडिकल सामान शामिल थे। इसके अलावा, भारत ने 400 मिलियन डॉलर की मुद्रा स्वैप दी, ताकि श्रीलंका को तुरंत पैसे की कमी से राहत मिले। भारत ने 3.1 अरब डॉलर का कर्ज भी दिया, जिससे श्रीलंका खाना, ईंधन और दवाइयां जैसी जरूरी चीजें खरीद सका। साथ ही, भारत ने पेट्रोलियम, ट्रेन, बसें और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए अनुदान और सामान भी दिया। अमेरिका ने श्रीलंका के सामानों पर 20% टैरिफ लगाया है, जो 7 अगस्त 2025 से लागू हो गया है। पहले अप्रैल 2025 में 44% टैरिफ की घोषणा की गई थी, जिसे बाद में जुलाई में 30% और फिर 31 जुलाई 2025 को 20% तक कम कर दिया गया। यह कमी श्रीलंका की व्यापारिक वार्ताओं और अमेरिका के साथ व्यापार और सुरक्षा प्रतिबद्धताओं के बाद हुई। यह टैरिफ श्रीलंका के निर्यात, खासकर कपड़ा और रबर जैसे क्षेत्रों को प्रभावित करेगा, जो अमेरिका में सालाना करीब 3 अरब डॉलर का व्यापार करते हैं। श्रीलंका के अलावा हर्षा डी सिल्वा अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने भी भारत पर ट्रम्प के 50% टैरिफ को गलत बताया था।

अमेरिकी नॉन-वेज दूध की वजह से भारत पर टैरिफ

कनाडा में इस पर 300% तक टैरिफ; स्विट्जरलैंड, कोरिया और आइसलैंड में भी एंट्री नहीं

एजेंसी

वॉशिंगटन/नई दिल्ली, अमेरिका ने भारत पर सबसे ज्यादा कुल 50% टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। दोनों देशों के बीच पिछले 4 महीने से ट्रेड डील पर बातचीत चल रही थी, जो नाकामयाब रही। इसके पीछे की बड़ी वजह भारत का कृषि और डेयरी के मामले में अमेरिका से समझौते से इनकार करना भी है। हालांकि भारत समेत 5 देश ऐसे हैं, जिन्होंने ट्रम्प सरकार से कृषि और डेयरी को लेकर कोई समझौता नहीं किया। इन देशों में भारत, साउथ कोरिया, कनाडा, स्विट्जरलैंड और आइसलैंड जैसे देश शामिल हैं। अमेरिका चाहता है कि उसके डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे दूध, पनीर, घी को भारत में आयात की अनुमति मिले। भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है और इस सेक्टर में करोड़ों छोटे किसान लगे हुए हैं। भारत सरकार को डर है कि अगर अमेरिकी डेयरी उत्पाद भारत में आएंगे, तो वे स्थानीय किसानों को भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा, धार्मिक भावना भी जुड़ी हुई हैं। अमेरिका में गायों को बेहतर पोषण के लिए जानवरों की हड्डियों से बने एंजाइम (जैसे रैनेट) को उनके खाने में मिलाया जाता है। भारत ऐसी गायों के दूध को ह्यानॉन वेज मिल्क यानी मांसाहारी दूध मानता है। इसके साथ ही अमेरिका चाहता है कि गेहूं, चावल, सोयाबीन, मक्का और फलों जैसे सेब, अंगूर आदि को भारत के बाजार में कम टैक्स पर बेचा जा सके। वह चाहता है कि भारत इन पर अपनी इम्पोर्ट ड्यूटी को कम करे। वहीं, भारत अपने किसानों की सुरक्षा के लिए इन पर हाई टैरिफ लगाता है, ताकि सस्ते आयात से भारतीय किसान प्रभावित न हों। इसके अलावा, अमेरिका जीएम ओ फसलों को भी भारत में बेचने की कोशिश करता रहा है, लेकिन भारत सरकार और किसान संगठन इसका कड़ा विरोध करते हैं। जीन बदलकर बनाई गई फसल को जेनेटिकली मॉडिफाइड ऑर्गैनिज्म्स (जीएम ओ) कहते हैं। अमेरिका दुनिया में जीएम ओ फसलों का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक है। भारत ने कपास के अलावा बाकी सभी मॉडिफाइड फसलों पर रोक लगा रखी है। ये मॉडिफाइड फसलें वैज्ञानिक तरीके से बनाई जाती हैं। भारत में बीज और खाद्य सुरक्षा पर विदेशी कंपनियों का नियंत्रण राष्ट्रीय हित के खिलाफ माना जाता है। भारत अगर इसकी अनुमति दे देता है तो खेती-किसानी पर अमेरिकी कंपनियों का वर्चस्व बढ़ सकता है। इसके अलावा स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे मुद्दे को लेकर भी इस फसल पर सवाल उठते रहे हैं। अमेरिका ने साउथ कोरिया पर 15% टैरिफ लगाया है। इसके बदले में साउथ कोरिया, अमेरिका से 100 अरब डॉलर की एनर्जी खरीदेगा और 350 अरब डॉलर का निवेश करेगा। इसके साथ ही अमेरिकी सामानों की साउथ कोरिया के मार्केट में टैक्स फ्री एंट्री होगी। हालांकि साउथ कोरिया ने अपने किसानों के हित में चावल और बीफ मार्केट को ओपन नहीं किया है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति बोले- चीन पर टैरिफ लगाना मुश्किल

राष्ट्रपति ट्रम्प अभी भी सोच रहे; यूएस-चीन टैरिफ डेडलाइन में सिर्फ 1 दिन बाकी

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने चीन पर ज्यादा टैरिफ लगाने के सवाल पर कहा कि ऐसा कदम उठाना ज्यादा मुश्किल और नुकसानदेह हो सकता है। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में वेंस ने कहा कि चीन पर टैरिफ लगाने का विचार चल रहा है, लेकिन अभी कोई पक्का फैसला नहीं हुआ है। वेंस ने कहा कि चीन के साथ रिश्ते सिर्फ तेल के मुद्दे तक सीमित नहीं हैं,

बल्कि कई और मामलों को प्रभावित करते हैं, इसीलिए मामला ज्यादा मुश्किल है। अमेरिका ने चीन पर फिलहाल 30% टैरिफ लगा रखा है। 12 अगस्त को इसकी समय सीमा खत्म हो रही है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय में आया है जब जुलाई में चीन ने रूस से 10 अरब डॉलर से ज्यादा का तेल खरीदा है। हालांकि इस साल अब तक की कुल खरीद 2024 की तुलना में 7.7% कम है। चीन ने रूस से तेल खरीदने के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि किसी भी देश के साथ आर्थिक और ऊर्जा सहयोग करना चीन का कानूनी अधिकार है। वह अपने राष्ट्रीय हितों के मुताबिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। ट्रम्प के वरिष्ठ सलाहकार पीटर नवारो ने इससे पहले कहा था कि चीन पर और ज्यादा टैरिफ लगाया जाएगा, इसकी संभावना कम है। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा करने से अमेरिका को भी नुकसान हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने पिछले सप्ताह रूस से तेल खरीदने की दलील देकर भारत पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। इसके बाद भारत पर कुल टैरिफ 50% हो गया। एक्स्ट्रा टैरिफ 27 अगस्त से लागू होगा।

पुरुषों के लिए 6, महिलाओं के लिए 3 सीटें

सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण देने की आर्मी पॉलिसी की रद्द

एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को महिलाओं की तुलना में पुरुषों के लिए अधिक रिक्तियां आरक्षित करने की भारतीय सेना की नीति को 'मनमाना' और समानता के अधिकार का उल्लंघन बताया। अदालत ने केंद्र को दो महिला याचिकाकर्ताओं में से एक को जेएजी विभाग में शामिल करने और पुरुष और महिला उम्मीदवारों के लिए एक संयुक्त मेरिट सूची जारी करने का निर्देश दिया।

शीर्ष अदालत ने क्या कहा?

फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति मनमोहन ने कहा कि कार्यपालिका नियुक्ति की आड़ में पुरुषों के लिए रिक्तियां आरक्षित नहीं कर सकती। जेएजी (न्यायाधीश महाधिवक्ता) विभाग में पुरुषों के लिए छह सीटें और महिलाओं के लिए केवल तीन सीटें आवंटित करने की नीति को मनमाना कहा गया और 2023 के भर्ती नियमों के विपरीत। न्यायमूर्ति मनमोहन और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने कहा कि कार्यपालिका पुरुषों के लिए रिक्तियां आरक्षित नहीं कर सकती। पुरुषों के लिए छह और महिलाओं के लिए तीन सीटें मनमाने ढंग से हैं और प्रेरण की आड़ में इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती है। कोर्ट ने कहा कि लिंग तटस्थता और

फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति मनमोहन ने कहा कि कार्यपालिका नियुक्ति की आड़ में पुरुषों के लिए रिक्तियां आरक्षित नहीं कर सकती। जेएजी (न्यायाधीश महाधिवक्ता) विभाग में पुरुषों के लिए छह सीटें और महिलाओं के लिए केवल तीन सीटें आवंटित करने की नीति को मनमाना कहा गया और 2023 के भर्ती नियमों के विपरीत।

2023 नियमों का सही अर्थ यह है कि संघ सबसे मेधावी उम्मीदवारों का चयन करेगा। महिलाओं की सीटें सीमित करना समानता के अधिकार का उल्लंघन है। पीठ ने केंद्र को लिंग-तटस्थ तरीके से भर्ती करने और एक संयुक्त योग्यता सूची प्रकाशित करने का निर्देश दिया जिसमें पुरुष और महिला दोनों उम्मीदवार शामिल हों। अदालत ने कहा, यह लिंग की परवाह किए बिना सबसे मेधावी उम्मीदवारों का चयन करके लिंग तटस्थता का सही अर्थ दर्शाता है।

एक याचिकाकर्ता को राहत, दोनों को नहीं

अदालत ने पहली महिला याचिकाकर्ता को जेएजी विभाग में शामिल करने का आदेश दिया, लेकिन दूसरी को उसकी योग्यता स्थिति का हवाला देते हुए राहत देने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि महिलाओं के लिए सीटें सीमित करना समानता के अधिकार का उल्लंघन है।

लावारिस कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

सीएम रेखा गुप्ता बोलीं, आवारा कुत्तों से परेशान हैं लोग, चरणबद्ध तरीके से लागू करेंगे सुप्रीम कोर्ट का आदेश

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आवारा कुत्तों की समस्या विकराल रूप ले चुकी है और उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार शीघ्र ही एक नीति लेकर आएगी तथा योजनाबद्ध तरीके से उच्चतम न्यायालय के आदेश को लागू करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अधिकारियों को दिल्ली-एनसीआर के इलाकों से सभी आवारा कुत्तों को हटाकर उन्हें आश्रय स्थलों में रखने का निर्देश दिया

एजेंसी

नई दिल्ली: लावारिस कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है. रउ ने दिल्ली के अधिकारियों को आवारा कुत्तों को उठाकर आश्रय स्थलों में रखने का निर्देश दिया. सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर के राज्यों, एमसीडी और एनडीएमसी को आवारा

8 हफ्ते के भीतर पकड़कर शेल्टर होम में रखने का निर्देश

कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए कई निर्देश दिए हैं और सभी शहरों में डॉग शेल्टर बनाने का आदेश दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारियों को आदेश दिया है कि वे आठ हफ़्तों के भीतर दिल्ली-एनसीआर के सभी इलाकों से सभी आवारा कुत्तों को उठाकर डॉग शेल्टर में रखें. साथ ही, किसी भी आवारा कुत्ते को वापस नहीं छोड़ा जाएगा.

आवारा कुत्तों की समस्या बेहद गंभीर- सुप्रीम कोर्ट

शहर में आवारा कुत्तों की समस्या को बेहद गंभीर बताते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली सरकार और नगर निकायों को निर्देश दिया कि वे जल्द से जल्द सभी इलाकों से आवारा कुत्तों को उठाकर आश्रय स्थलों में रखें. सुप्रीम कोर्ट ने कुत्तों के काटने की घटनाओं से निपटने के लिए कई निर्देश जारी किए, अदालत ने चेतावनी दी कि अगर कोई व्यक्ति या संगठन आवारा कुत्तों को उठाने में अधिकारियों के आड़े आता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.5000 कुत्तों के लिए शेल्टर बनाने के आदेशन्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि फिलहाल, लगभग 5,000 आवारा कुत्तों के लिए आश्रय स्थल बनाए जाने चाहिए और कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण के लिए पर्याप्त कर्मियों को वहां तैनात किया जाना चाहिए.सर्वोच्च अदालत ने ये भी कहा कि आवारा कुत्तों को आश्रय स्थलों में रखा जाना चाहिए और उन्हें सड़कों, कॉलोनियों और सार्वजनिक स्थानों पर नहीं छोड़ा जाना चाहिए. पीठ ने कहा, ₹हम व्यापक जनहित को ध्यान में रखते हुए ये निर्देश जारी कर रहे हैं।

उच्च न्यायालय ने लैंड पूलिंग नीति पर लगाई रोक, पंजाब सरकार ने वापस लिया अपना फैसला

जारी किए गए आशय पत्रों (एलओआई) को रद्द करना, पूर्ण किए गए पंजीकरण, या नीतिगत ढाँचे के तहत लागू किए गए अन्य उपाय शामिल हैं। पंजाब के आवास एवं शहरी विकास विभाग के प्रमुख सचिव द्वारा जारी प्रेस नोट में कहा गया है, सरकार 14 मई, 2025 की भूमि पूलिंग नीति और उसके बाद के संशोधनों को वापस लेती है। परिणामस्वरूप, इसके तहत की गई सभी कार्रवाइयाँ अब से रद्द कर दी जाएँगी।

एजेंसी

बढ़ते राजनीतिक और कानूनी दबाव के बीच, पंजाब में भगवंत मान के नेतृत्व वाली आप सरकार ने सोमवार को 14 मई, 2025 की विवादास्पद लैंड पूलिंग नीति और उसके बाद के सभी संशोधनों को वापस ले लिया। आवास एवं शहरी विकास विभाग के प्रमुख सचिव द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि नीति के तहत की गई सभी कार्रवाइयाँ तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी गई हैं। इसमें जारी किए गए आशय पत्रों (एलओआई) को रद्द करना, पूर्ण किए गए पंजीकरण, या नीतिगत ढाँचे के तहत लागू किए गए अन्य उपाय शामिल हैं। पंजाब के आवास एवं शहरी विकास विभाग के प्रमुख सचिव द्वारा जारी प्रेस नोट में कहा गया है, सरकार 14 मई, 2025 की भूमि पूलिंग नीति और उसके बाद के संशोधनों को वापस लेती है। परिणामस्वरूप, इसके तहत की गई सभी कार्रवाइयाँ अब से रद्द कर दी जाएँगी। विवादास्पद भूमि पूलिंग योजना को वापस लेने की घोषणा के तुरंत बाद, शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने इस कदम को लोगों की जीत बताया। सुखबीर सिंह बादल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं बहादुर अकाली कार्यकर्ताओं, किसानों, मजदूरों और दुकानदारों को सलाम करता हूं

देश विरोधी ताकतों के दबाव में हैं राहुल गांधी:शिवराज सिंह चौहान

राहुल गांधी के पिछले आरोपों को याद करते हुए, चौहान ने कहा कि ईवीएम के बाद, वह बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर सवाल उठाने लगे हैं और उन पर अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा कि राहुल गांधी बार-बार झूठ बोल रहे हैं और अराजकता फैलाना चाहते हैं।

शिवराज ने चुनाव आयोग पर आरोपों को लेकर कांग्रेस नेता पर कसा तंज

एजेंसी

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को चुनाव आयोग पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के आरोपों की कड़ी आलोचना की और आरोप लगाया कि वह राष्ट्र-विरोधी ताकतों के दबाव में हैं। एक पोस्ट शेयर करते हुए, चौहान ने कहा कि इंडिया ब्लॉक लोकतंत्र को बदनाम कर रहा है और संवैधानिक संस्थाओं के साथ छेड़छाड़ कर रहा है। केंद्रीय मंत्री ने लिखा, राहुल गांधी जी राष्ट्र-विरोधी ताकतों के दबाव में हैं। वह और इंडिया ब्लॉक लोकतंत्र को बदनाम कर रहे हैं, उसकी धज्जियाँ उड़ा रहे हैं और संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा के

साथ छेड़छाड़ कर रहे हैं। राहुल गांधी के पिछले आरोपों को याद करते हुए, चौहान ने कहा कि ईवीएम के बाद, वह बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर सवाल उठाने लगे हैं और उन पर अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा कि राहुल गांधी बार-बार झूठ बोल रहे हैं और अराजकता फैलाना चाहते हैं। उन्होंने चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट और कैग को बदनाम किया है। उन्होंने सेना के पराक्रम पर सवाल उठाए और जब सेना ने तथ्य पेश किए, तो उन्हें चुप करा दिया गया। उन्होंने बिना सबूत के ईवीएम पर सवाल उठाए, फिर सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद ईवीएम को छोड़ दिया और अब रकफ पर आ गए हैं। इसके अलावा, केंद्रीय मंत्री ने कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना और अन्य राज्यों में विपक्ष की चुनावी जीत पर सवाल उठाए। शिवराज ने आगे कहा कि मैं राहुल जी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन के नेताओं से पूछना चाहता हूँ: - क्या कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस मतदाता सूची में अनियमितताओं के कारण जीती? - क्या तेलंगाना, तमिलनाडु और झारखंड में चुनाव आयोग की गलतियों के कारण सरकारें बनीं? - क्या राहुल जी, प्रियंका जी और अखिलेश यादव जी भी मतदाता सूची में अनियमितताओं के कारण चुनाव जीते?

संक्षेप

सांप के काटने से बुजुर्ग की मौत

उपला निकालते समय हुआ हादसा, परिजनों में शोक का माहौल

सुलतानपुर, अखंड नगर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक दुखद घटना सामने आई। रुपईपुर गांव की 68 वर्षीय चिंता देवी को सांप ने काट लिया। वह खाना बनाने के लिए उपले निकाल रही थीं। सांप के काटने के बाद चिंता देवी की तबीयत बिगड़ने लगी। परिजन पहले उनकी झाड़-फूंक कराने लगे। हालत ज्यादा खराब होने पर दोपहर करीब डेढ़ बजे एंबुलेंस 108 से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। डॉक्टर विष्णु स्वरूप यादव ने बताया कि महिला को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तुरंत थाने को सूचना दी। बेलवाई चौकी प्रभारी विनोद पटेल उपनिरीक्षक अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। थाना प्रभारी दीपक कुशवाहा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बिजली तार की चपेट में आने से युवक की मौत

सुलतानपुर के बनकेपुर गांव में हादसा, अस्पताल ले जाते समय ट्रक ड्राइवर की गई जान

सुलतानपुर, धम्मौर थाना क्षेत्र के बनकेपुर गांव में रविवार रात एक दुखद हादसा हुआ। लटके बिजली के तार की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान लईक अहमद पुत्र सनाउल्ला के रूप में हुई है। लईक अहमद अचानक लटक रहे बिजली के तार की चपेट में आ गए। परिजन तुरंत उन्हें जिला मेडिकल कॉलेज सुलतानपुर ले गए। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। लईक अहमद ट्रक चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके दो बेटे और एक बेटी हैं। इस हादसे से परिवार में कोहराम मच गया है। धम्मौर थाना प्रभारी अंजू मिश्रा ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है।

फाइलेरिया उन्मूलन अभियान सक्रिय

ग्राम पंचायतों में घर-घर जाकर दवा वितरण शुरू, 193 टीमें कार्यरत

सुलतानपुर, भदैया क्षेत्र में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान की शुरूआत हो गई है। सोमवार से टीमें घर-घर जाकर फाइलेरिया की दवा वितरित कर रही हैं। इस अभियान में कुल 193 टीमें कार्यरत हैं, जिनकी निगरानी 39 सुपरवाइजर कर रहे हैं। भदैयां विकास खण्ड की सभी 71 ग्राम पंचायतों में लोगों को फाइलेरिया के लक्षण और बचाव के बारे में जागरूक किया जा रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की ओर से आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर दवा वितरण कर रही हैं। स्वास्थ्य अधीक्षक डॉ. आर पी सिंह इस पूरे अभियान की मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

सड़क पर उतरे सपाई, विरोध प्रदर्शन

चक्का जाम, यातायात ठप; नेताओं ने कहा-आंदोलन जारी रहेगा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, दिल्ली में समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को पुलिस ने हिरासत में लिए जाने के बाद पूरे प्रदेश में सियासत गर्मा गई है। विरोध में सोमवार को समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता प्रदेशभर में सड़कों पर उतर आए और जगह-जगह प्रदर्शन करने लगे। प्रयागराज में भी इस गिरफ्तारी का व्यापक विरोध देखने को मिला। सुभाष चौराहे पर बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता और नेता एकत्र हुए और केंद्र व राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ता पुलिस प्रशासन से टकराव की स्थिति में पहुंच गए, जब उन्होंने विरोध स्वरूप पुतला जलाने की कोशिश की। मौके पर मौजूद पुलिस बल ने पुतला जलाने से रोक दिया, जिसके बाद आक्रोशित कार्यकर्ता सड़क पर ही बैठ गए और चक्का जाम कर दिया। इस दौरान सुभाष चौराहे पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस ने समझाने की कोशिश की, लेकिन सपा कार्यकर्ता अपने नेता के समर्थन में अड़े रहे और लगातार नारे लगाते रहे तानाशाही नहीं चलेगी अखिलेश यादव जिंदाबाद और लोकतंत्र बचाओ जैसे नारों से पूरा इलाका गूंज उठा। सपा नेता संदीप यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वर्तमान सरकार पूरी तरह से तानाशाही रवैया अपना रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकतांत्रिक तरीके से विरोध जताने और ज्ञापन देने का अधिकार छीना जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक अखिलेश यादव को रिहा नहीं किया जाता और लोकतांत्रिक अधिकारों की गारंटी नहीं दी जाती, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा और बाद में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को समझा-बुझाकर हटाया, जिससे यातायात बहाल हो सका। हालांकि, सपा कार्यकर्ताओं ने साफ कहा कि यह विरोध केवल शुरूआत है और आने वाले दिनों में आंदोलन और तेज किया जाएगा।

प्रेमी से विवाद के बाद नाबालिग ने लगाई फांसी

लड़की के मोबाइल से मिली विवाद की जानकारी, गांव के ही लड़के से करती थी बात

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, नाबालिग लड़की ने सुसाइड कर लिया। मौत से पहले उसका अपने बॉयफ्रेंड से झगड़ा हुआ था। लड़की के परिजनों ने बताया कि वह हाईस्कूल पास थी और गांव के ही एक लड़के से बात करती थी। उन्होंने कई बार रोक-टोक की, लेकिन लड़की चुपके से बात करती रही। जिससे विवाद के बाद उसने यह कदम उठाया। धूमनगंज थाना निवासी लड़की के परिजनों ने बताया कि वह हाईस्कूल पास थी और गांव के ही एक लड़के से बात करती थी। उन्होंने कई बार रोक-टोक की, लेकिन लड़की चुपके से बात करती रही। रविवार को दोनों में किसी बात को लेकर विवाद हुआ। वह घर पर अकेली थी उसकी मां छत पर काम कर रही थी, इसी दौरान उसने फांसी लगा ली। लड़की के पिता ने रोते हुए बताया कि उन्होंने मेहनत-मजदूरी करके अपने बच्चों को पाला था, लेकिन उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनकी बेटी ऐसा कदम उठाएगी। मौके पर मोबाइल मिला जिसमें कॉल डिटेल के माध्यम से जानकारी मिली कि वह गांव के ही एक लड़के से बात करती थी, जिससे उसका विवाद हुआ था। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। लड़की दो लड़कों और दो लड़कियों में बीच की थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है। प्रशासन ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन परिजनों का कहना है कि लड़के की गलती अगर जांच में सामने आती है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग करेंगे

खेत में काम करते समय युवक की मौत

- तबीयत बिगड़ने पर जगदीशपुर ट्रामा सेंटर ले जाया गया, परिजनों ने जताई जहरीले जंतु के काटने की आशंका

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, जगदीशपुर क्षेत्र में एक दुखद घटना सामने आई। जामो थाना क्षेत्र के गोपालपुर निवासी 40 वर्षीय दिल कुमार की खेत में काम करते समय अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। घटना जब दिल कुमार रोज की तरह अपने खेत की ओर गए थे। खेत पहुंचने के कुछ देर बाद ही उनकी तबीयत अचानक खराब हो गई। स्वास्थ्य बिगड़ने पर वह पास स्थित एक नलकूप पर रखे तख्ते पर लेट गए। जब ग्रामीणों ने देखा कि दिल कुमार में कोई हलचल नहीं हो रही है, तो उन्होंने तुरंत परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलते ही परिजन उन्हें जल्द से जल्द ट्रामा सेंटर जगदीशपुर लेकर पहुंचे। वहां मौजूद चिकित्सकों ने जांच के बाद दिल कुमार को मृत घोषित कर दिया। परिजनों का मानना है कि खेत में काम करते समय संभवतः किसी जहरीले जंतु ने दिल कुमार को काट लिया होगा, जिससे उनकी मौत हुई। हालांकि, अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

राशन वितरण में गड़बड़ी का आरोप

कोटेदारों को हर बोरी पर मिल रहा कम राशन, ग्रामींण परेशान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, भदैया ब्लॉक में राशन वितरण व्यवस्था में अनियमितताएं सामने आई हैं। पूर्ति विभाग और ठेकेदारों की मिलीभगत से कोटेदारों को नुकसान हो रहा है। नियमानुसार कोटेदारों को प्रत्येक बोरी पर 600 ग्राम राशन की कटौती की छूट मिलनी चाहिए। ब्लॉक की 71 राशन दुकानों में 100 से 400 बोरी तक राशन की आपूर्ति होती है। बड़ी ग्राम पंचायतों में ठेकेदार ढाई से तीन कुंतल तक राशन की कटौती कर रहे हैं। कोटेदारों को बारदाना भी नहीं मिल रहा है। जिन दुकानों पर 100 बोरी राशन जाता है, वहां ठेकेदार 60 किलो राशन कम दे रहे हैं। प्रत्येक दुकानदार को 1 से 2 कुंतल तक राशन कम मिल रहा है। इससे कोटेदार और गरीब उपभोक्ता दोनों प्रभावित हो रहे हैं। कोटेदारों ने विभागीय अधिकारियों से कई बार शिकायत की है। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। कोटेदार अब खुलकर सामने आने से हिचक रहे हैं। वे इस मामले की उच्चस्तरीय जांच चाहते हैं। पूर्ति निरीक्षक भदैया नन्हे सिंह का कहना है कि सभी को बारदाना दिया जा रहा है। उन्होंने शिकायत होने पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। साथ ही बारदाना उपलब्ध कराने की बात कही है।

बाइक और ट्रक की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत

- अमेठी के राष्ट्रीय राज्यमार्ग एनएच 330 पर हुआ हादसा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, राष्ट्रीय राज्यमार्ग एनएच 330 पर एक गंभीर सड़क हादसा हुआ है। अयोध्या-रायबरेली संपर्क मार्ग पर प्राथमिक विद्यालय प्रेमगढ़ के पास एक बाइक और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में बाइक सवार व्यक्ति की मौके पर ही मृत्यु हो गई। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तेज गति और सड़क पर सावधानी न बरतने से यह दुर्घटना हुई हो सकती है। स्थानीय प्रशासन ने इस मार्ग पर वाहन चालकों से सावधानी बरतने की अपील की है।

यूरिया के दुरुपयोग की जांच

डीएम के आदेश पर जगदीशपुर की 11 औद्योगिक इकाइयों में छापा, एक से नमूना जब्त

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, जिलाधिकारी संजय चौहान के निर्देश पर कृषि और उद्योग विभाग की टीम ने जगदीशपुर में स्थित 11 औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण किया। यह कार्रवाई अनुदानित यूरिया के अवैध उपयोग की जांच के लिए की गई। टीम में उप कृषि निदेशक सत्येन्द्र कुमार, उपायुक्त उद्योग दिनेश कुमार चौरसिया, जिला कृषि अधिकारी डॉ राजेश कुमार और सहायक प्रबंधक उद्योग विभाग राजेश कुमार भारती शामिल थे। जांच में जाफा जगदीशपुर में 200 बोरी और गैक प्लास्ट कंटेनर में 25 बोरी टेक्निकल ग्रेड यूरिया मिला। विकास वुड इंडस्ट्रीज में 240 बोरी टेक्निकल ग्रेड यूरिया पाया गया, जिससे एक नमूना लिया गया। यह यूरिया गम बनाने के काम आता है। शालीमार पैलेट फीड उद्योग, सुगना फूड प्रोडक्ट, सुपस फीड प्राइवेट लिमिटेड, गोरखनाथ ऑर्गेनिक प्राइवेट लिमिटेड, विक्रम प्लाईवुड और रवि पाल जायस सहित अन्य इकाइयों में अनुदानित नीम कोटेड यूरिया का उपयोग नहीं मिला।

विभाग ने सभी इकाइयों को चेतावनी दी है कि वे अपने उत्पादों में अनुदानित नीम कोटेड यूरिया का उपयोग न करें। नियम उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जिस फैक्ट्री में काम किया वहीं की चोरी

अलीगढ़ में दिल्ली के कारोबारी के रुपए हुए थे चोरी, मजदूरों को देनी थी सैलरी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, सासनीगेट थाना क्षेत्र में दिल्ली के कारोबारी की फैक्ट्री में हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। फैक्ट्री में काम करने वाले एक वर्कर ने अपने साथी के साथ मिलकर चोरी कराई थी। चोरी के बाद भी वह फैक्ट्री में ही काम करता रहा था। घटना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई थी। आसपास के संदिग्धों पर नजर रख रही थी। सीसीटीवी कैमरों की जांच में पुलिस ने संदिग्धों को चिन्हित किया था। इसके बाद सोमवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों के पास से पुलिस ने चोरी के रुपए और व्यापारी का बैग भी बरामद किया है। दिल्ली निवासी ओमप्रकाश अरोड़ा की अलीगढ़ के सासनीगेट थाने में लोहे की फैक्ट्री है। वह हर यहां आते हैं। बीते 7 अगस्त को भी वह अलीगढ़ आए थे और मजदूरों को सेलरी बांटने के लिए 5 लाख रुपए लाए थे। अपने केबिन में टेबल पर रुपए से भरा बैग रखकर वह बाथरूम गए थे। जब वह वापस लौटे तो उनका बैग गायब था। इसके बाद उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना देकर सासनीगेट थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। मुकदमा दर्ज करने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई थी। पुलिस ने फैक्ट्री के ही एक वर्कर और उसके दोस्त को चोरी के रुपए के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने व्यापारी के गोदाम में काम करने वाले मोहन उर्फ गोलू निवासी थाना देहलीगेट और उसके साथी बोतल उर्फ फरहान कुरैशी निवासी थाना कोतवाली नगर को गिरफ्तार किया है। मोहन ने पुलिस को बताया कि दोनों पिछले तीन साल से दोस्त हैं। दोनों के ऊपर काफी कर्ज था और दोनों आर्थिक रूप से परेशान थे। इसके बाद उन्होंने अपने मालिक के रुपए चोरी करने की योजना बनाई। चोरी से पहले 5 अगस्त को दोनों मलखान सिंह जिला अस्पताल में मिले थे और दोनों ने चोरी की योजना बनाई थी। घटना के दिन जब उनका मालिक अलीगढ़ आया तो दोनों ने अपनी योजना के अनुसार उसके रुपए चोरी कर लिए। इसके बाद मोहन शांति पूर्वक गोदाम में ही काम करता रहा। पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर दोनों को गिरफ्तार किया और सख्ती से पूछताछ करने पर दोनों ने चोरी के रुपए पुलिस को सौंप दिए हैं। सीओ प्रथम एएसपी मयंक पाठक ने बताया कि- घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी थी।

पसमांदा मुसलमानों के आरक्षण की मांग

सुल्तानपुर में एआईपीएमएम ने डीएम को सौंपा राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, आल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज (एआईपीएमएम) ने अनुच्छेद-341 पर लगी धार्मिक पाबंदी के विरोध में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। सोमवार को उत्तर प्रदेश के प्रभारी अफजल अंसारी के नेतृत्व में यह ज्ञापन दिया गया। अफजल अंसारी ने कहा कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 16, 21, 25 में स्पष्ट है कि भारत में किसी भी धर्म, जाति, लिंग या नस्ल के व्यक्ति के साथ भेदभाव नहीं होगा। उन्होंने बताया कि 10 अगस्त 1950 को राष्ट्रपति अध्यादेश के तहत सिर्फ हिंदू दलितों को अनुसूचित जाति का लाभ दिया गया। अंसारी ने कहा कि सिखों को 1956 में और बौद्धों को 1990 में अनुसूचित जाति की सूची में शामिल किया गया। लेकिन मुसलमान और ईसाई दलित आज तक इस लाभ से वंचित हैं। उनके अनुसार यह अध्यादेश दलित मुसलमानों और दलित ईसाईयों के मौलिक अधिकारों का हनन है। उन्होंने राष्ट्रपति से अपील की कि वे अनुच्छेद 341 पर लगे धार्मिक प्रतिबंध को समाप्त करें। साथ ही दलित मुसलमानों और दलित ईसाईयों को अनुसूचित जाति में शामिल करने की स्वीकृति प्रदान करें।

जहरीले कीड़े के काटने से किसान की मौत

सीएचसी में इलाज के दौरान गई जान, खेत में काम करते समय काटा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, जिले में एक दुखद घटना सामने आई है। जामो थाना क्षेत्र के डीघा गोपालपुर गांव में दिल कुमार (40) को खेत में काम करते समय एक जहरीले कीड़े ने काट लिया। परिजन उन्हें तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जगदीशपुर ले गए। वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। दिल कुमार अपने आठ छोटे-छोटे बच्चों के साथ रहते थे। वह दैनिक मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनकी असामयिक मौत से परिवार की आर्थिक स्थिति और भी कमजोर हो गई है। जामो थाने के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार सिंह ने बताया कि जगदीशपुर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। परिवार की खराब आर्थिक स्थिति को देखते हुए राजस्व विभाग को भी सूचित कर दिया गया है।

तिरंगा यात्रा में भिड़े भाजपाई

पूर्व ऊर्जा मंत्री के साथ फोटो खिंचाने को लेकर बात बिगड़ी, फिर खूब चले लात-घूंसे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, स्वतंत्रता दिवस से पहले भाजपा तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। रविवार को धौली प्याऊ मंडल में तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में किसी बात को लेकर भाजपा नेताओं के दो गुट आपस में भिड़ गए। जिसका वीडियो सोमवार को सामने आया है। जिसमें दिख रहा है कि फोटो खिंचाने को लेकर विवाद हो रहा है। इसके बाद जमकर मारपीट हुई। मथुरा शहर के महोली रोड पर धौली प्याऊ मंडल क्षेत्र में भाजपा की तिरंगा यात्रा में पूर्व पार्षद और वर्तमान पार्षद के समर्थकों के बीच मामूली कहासुनी हो गई। कुछ देर बाद मामूली कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया। देशभक्ति नारों, तिरंगे और ढोल-नगाड़ों के बीच अचानक हाथापाई शुरू हो गई। इससे पूरा माहौल तनावपूर्ण हो गया। तिरंगा यात्रा में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद थे। इसी दौरान पूर्व ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा के साथ फोटो खिंचवाने को लेकर दो गुटों में तकरार हो गई। शुरूआती कुछ मिनटों तक यह सिर्फ जुबानी जंग रही, मगर गुस्से में उबलते कार्यकर्ता एक-दूसरे पर टूट पड़े। देखते ही देखते लात-घूंसे, धक्का-मुक्की और तड़ातड़ चाटों की गूंज के साथ माहौल गरमा गया।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी , एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग, कुर्ला (प) मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० -A-544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डीसी माहपे नवी मुंबई , ठाणे 400709 से मुद्रित। संपादक - अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक- डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता- आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक- माता प्रसाद शर्मा, फिल्म- संपादक-जगन्नाथ तिवारी